खबर छुपेगी नहीं छपेगी

दुर्गम ख़बर

राष्ट्रीय राजधानी से प्रकाशित हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 17 अंक 06 | दिल्ली, रविवार 21 जुलाई 2024 | RNI-No. DELHIN/2008/2623 | पेज: 8 मूल्य : 1 रुपया

नीट यूजी का सिटी और सेंटर वाइज रिजल्ट जारी

18 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने दिया था आदेश,अगली सुनवाई 22 को

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने शनिवार 20 जुलाई को नीट यूजी एग्जाम का सिटी और सेंटरवाइज रिजल्ट जारी कर दिया है। रिजल्ट ऑफिशियल वेबसाइट पर रिलीज हुआ है। इसमें कैंडिडेट्स की पहचान जाहिर नहीं की गई है। 18 जुलाई को नीट विवाद पर सीजेआई की बेंच के सामने हुई तीसरी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई थी। कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया था कि सभी कैंडीडेट्स के रिजल्ट शनिवार दोपहर 12 बजे तक वेबसाइट पर अपलोड किए जाएं। कोर्ट ने कहा था- रिजल्ट अपलोड करते वक्त उम्मीदवार की पहचान जाहिर ना की जाए। हम सोमवार 22 जुलाई को सुबह 10.30 बजे अगली सुनवाई शुरू करेंगे। ताकि दोपहर तक हम निष्कर्ष निकाल सकें।

हम बिहार पुलिस रिपोर्ट की एक कॉपी भी चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार तक काउंसलिंग पर रोक लगाने से भी इनकार किया था। सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था- काउंसलिंग में कुछ समय लगेगा। यह 24 जुलाई के आसपास शुरू होगी। सीजेआई ने कहा - हम सोमवार को ही सुनवाई करेंगे।

कमाई में केसीआर, खर्चे में ममता की पार्टी की सबसे आगे

20 रीजनल पार्टियों का खर्च आय से ज्यादा, एडीआर की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) खर्च के मामले में देश की सबसे बड़ी रीजनल पार्टी है। फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में पार्टी की कमाई 333.45 करोड़ रुपए थी, जबकि खर्च 181.1 करोड़ रुपए किए। वहीं, कमाई के मामले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) टॉप पर रही। 2022-23 में पार्टी की कमाई 737 करोड़ रुपए रही, जबकि खर्च के 57.47 करोड़ रुपए रहा। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वायएसआर कांग्रेस कमाई के मामले में तीसरे और खर्च के मामले में दूसरे नंबर पर रही।

सुरक्षा में सख्ती, जम्मू में 500 स्पेशल पैरा कमांडो तैनात

50-55 पाकिस्तानी आतंकियों की मौजूदगी का शक, इनका मकसद भारत में टेरर नेटवर्क फिर ऐक्टिव करना

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू में बढ़ते आतंकी हमलों के बीच भारतीय सेना ने लगभग 500 पैरा स्पेशल फोर्स कमांडो को तैनात किया है। रक्षा सूत्रों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि जम्मू रीजन में पाकिस्तान के 50-55 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। ये भारत में फिर से टेरर नेटवर्क ऐक्टिव करने के लिए घुसे हैं। सेना को इससे जुड़े इंटेलीजेंस इनपुट मिले हैं, जिसके बाद उन्होंने मोर्चा संभाल लिया है। इंटेलीजेंस एजेंसियां भी आतंकियों का समर्थन करने वाले ओवरग्राउंड वर्कर्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, जम्मू में घुसपैठ कर रहे आतंकी हाई लेवल ट्रेनिंग लेकर आए हैं। उनके पास आधुनिक हथियार और उपकरण हैं। सेना इन आतंकियों की तलाश और उन्हें खत्म करने की रणनीति पर काम कर रही है।

आतंकियों से मुकाबला करने के लिए सेना पहले ही 3500 से 4000 सैनिकों की अपनी ब्रिगेड उतार चुकी है। इसके अलावा जम्मू में सेना के पास पहले से ही एक काउंटर-टेररिस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर है, जिसमें रोमियो और डेल्टा फोर्सेज के साथ-साथ राष्ट्रीय राइफल्स की दो फोर्सेज शामिल हैं। जम्मू रीजन में सेना ने 20 साल पहले पाकिस्तान परस्त आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के जिस लोकल नेटवर्क को सख्ती से निष्क्रिय कर

दिया था, वो पूरी ताकत से फिर ऐक्टिव हो गया है। पहले ये लोग आतंकियों का सामान ढोने का काम करते थे, अब उन्हें गांवों में ही हथियार, गोला बारूद और खाना-पीना दे रहे हैं। बीते दिनों जिन 25 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया था, उन्होंने पूछताछ में इसके सुराग दिए हैं।

यह नेटवर्क जम्मू के 10 में से नौ जिलों राजौरी, पुंछ, रियासी, ऊधमपुर, कठुआ, डोडा, किश्तवाड़, जम्मू और रामबन में जम चुका है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद्य के मुताबिक, आर्टिकल 370 हटने के बाद से ही पाकिस्तान आर्मी और लश्कर ने जम्मू को टारगेट करना शुरू कर दिया था। उसने दो साल में इस नेटवर्क को सक्रिय किया। इन्हीं की मदद से आतंकियों ने 2020 में पुंछ और राजौरी में सेना पर बड़े हमले किए। फिर ऊधमपुर, रियासी, डोडा और कठुआ को निशाने पर लिया। 2020 तक जम्मू रीजन में काफी सुरक्षा बल तैनात था।

घाटी पर पाकिस्तान के साथ आया तुर्की, दी साइबर आर्मी

हथियार बिक्री पर बैन से पहले भी भारत विरोधी रहा है तुर्की

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की की सरकार ने भारत को हथियार निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसे लेकर कोई आदेश नहीं दिया गया है लेकिन जब भी तुर्की की कोई कंपनी भारत से जुड़े ग्राहक को हथियार बेचना चाहती है तब-तब एर्दोगन की सरकार मंजूरी नहीं देती। तुर्की सरकार के एक अधिकारी ने संसद के सामने यह खुलासा किया। अधिकारी ने बताया कि जब भी एक ग्राहक भारत से जुड़ा होता है तो किसी भी छोटे पार्ट्स का अप्रूवल नहीं दिया जाता है। पाकिस्तान को फायदा पहुंचाने के लिए तुर्की ऐसा कर रहा है। पिछले एक दशक में तुर्की और भारत के संबंधों में खटास देखी जा रही है। तुर्की का पाकिस्तान की ओर झुकाव बढ़ा है। तुर्की पाकिस्तान का पक्ष लेने के लिए कश्मीर मुद्दे को दुनिया के हर मंच पर उठाता रहता है लेकिन हथियारों का निर्यात रोकना ही नहीं बल्कि बहुत सी ऐसी चीजें हुई हैं, जो दिखाती हैं कि आखिर तुर्की किस तरह भारत विरोधी है। नॉर्डिक मॉनिटर ने 2022 की एक रिपोर्ट में बताया था कि तुर्की ने पाकिस्तान को साइबर आर्मी स्थापित करने में गुप्त रूप से मदद की थी। इस आर्मी का उद्देश्य सार्वजनिक राय को आकार देने, दक्षिण पूर्व एशिया में मुसलमानों के विचारों को प्रभावित करने, अमेरिका और भारत के खिलाफ हमले करना था।

केजरीवाल की हेल्थ को लेकर टेंशन में एलजी सक्सेना

दिया आदेश, 'जरा पता करो, दवा क्यों नहीं ले रहे सीएम'

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में हैं। वहीं केजरीवाल की सेहत को लेकर लगातार विवाद जारी है। इस बीच उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को पत्र लिखा है। इस पत्र में तिहाड़ जेल अधीक्षक की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए एलजी ने मुख्यमंत्री की सेहत को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने निर्धारित भोजन और दवाएं न लेने

को लेकर सवाल भी उठाए हैं। एलजी ने कहा है कि मुख्य सचिव इस बात का पता लगाएं। दरअसल, उपराज्यपाल के प्रधान सचिव ने दिल्ली के मुख्य सचिव को चिट्ठी लिखी। इस चिट्ठी में जिक्र है कि रिपोर्ट में पता चला है कि अरविंद केजरीवाल ने 6 जून से 13 जुलाई के बीच जानबूझकर दिन के तीनों पहर कम कैलरी वाली डाइट ली है। इसको लेकर एलजी ने पीछा कि आखिर केजरीवाल ऐसा क्यों कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ हिंसा, 105 की मौत

- पूरे देश में कर्फ्यू, सेना ने संभाला मोर्चा

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण बहाली के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ हिंसा जारी है। इस पर काबू पाने के लिए सरकार ने पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया है। प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के जनरल सेक्रेटरी ओबैदुल कादर ने शुक्रवार देर रात कर्फ्यू लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हिंसा काबू करने के लिए सेना को तैनात किया गया है। शुक्रवार को पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इसमें 105 लोग मारे गए हैं। बांग्लादेश में

बढ़ते तनाव के बीच अब तक 778 भारतीय स्टूडेंट्स अपने घर लौट आए हैं। ढाका यूनिवर्सिटी को अगले आदेश तक के लिए बंद दिया है। छात्रों को बुधवार तक हॉस्टल खाली करने को कहा गया है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारी छात्रों ने शुक्रवार को नरसिंगडी जिले में एक जेल पर धावा बोल दिया था। उन्होंने सैकड़ों कैदियों को जेल से छुड़ाने के बाद वहां आग लगा दी थी। इससे पहले गुरुवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारी ऑफिस के कैंपस में घुस आए और 60 से ज्यादा गाड़ियां फूंक दी। उसी दिन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एजेंसी को इंटरव्यू दिया था।

बिहार में लॉ-एंड ऑर्डर को लेकर सड़क पर विपक्ष

- बड़े नेताओं ने बनाई दूरी, पटना में बैरिकेडिंग भी तोड़ी

पटना (एजेंसी)। बिहार में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं व लचर कानून व्यवस्था के खिलाफ इंडिया गठबंधन ने प्रतिरोध मार्च निकाला है। इंडिया ब्लॉक के कार्यकर्ता बिहार के अलग-अलग जिलों में प्रदर्शन किया। पटना में इनकम टैक्स चौराहे से मार्च शुरू होकर डाकबंगला चौराहे पर खत्म हो गया। इस मार्च में राजद-कांग्रेस, माले और सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं ने नीतिश सरकार के खिलाफ

नारेबाजी की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की लेकिन इनकम टैक्स गोलंबर पर बैरिकेडिंग तोड़ प्रदर्शनकारी आगे बढ़ गए। हालांकि, इस प्रदर्शन से बड़े कद के नेताओं ने दूरी बनाई। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के अलावा अन्य पार्टियों से कोई बड़ा चेहरा शामिल नहीं हुआ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह कहा कि बिहार में जो लॉ एंड ऑर्डर की व्यवस्था है, इसमें कई पत्रकारों की भी हत्या हो चुकी है। 4-5 ब्यूरोक्रेट्स से सरकार चला रहे हैं। लोगों को भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया है।

यूपीएससी चेयरमैन मनोज सोनी ने दिया इस्तीफा

- पिछले साल अध्यक्ष बने थे, 5 साल का कार्यकाल बाकी था
- मनोज सोनी बोले- इसका पूजा खेडकर विवाद से संबंध नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) के अध्यक्ष मनोज सोनी ने निजी कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा है कि इस्तीफे के बाद सामाजिक और धार्मिक कामों पर ध्यान देंगे। उन्होंने 14 दिन पहले अपना इस्तीफा कार्मिक विभाग को भेजा था, इसकी जानकारी आज (20 जुलाई को) सामने आई है। अभी इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है। उनका कार्यकाल मई 2029 तक था। उन्होंने 16 मई 2023 को यूपीएससी के अध्यक्ष के रूप में शपथ ली थी। इस्तीफे की जानकारी आने के बाद मनोज सोनी ने कहा है कि उनका इस्तीफा ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर के विवादों और आरोपों से किसी भी तरह से जुड़ा नहीं है। वहीं, कांग्रेस लीडर और राज्यसभा सांसद

जयराम रमेश ने चेयरमैन के इस्तीफे पर कहा है कि उन्हें यूपीएससी से जुड़े विवादों के बीच पद से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 से अब तक लगातार संवैधानिक बॉडी की शुचिता बुरी तरह प्रभावित हुई है। मनोज सोनी के कार्यकाल के दौरान आईएएस ट्रेनी पूजा खेडकर और आईएएस अभिषेक सिंह विवादों में रहे। इन दोनों पर आरक्षण और विकलांग कैटेगरी का गलत फायदा उठाकर सिलेक्शन लेने का आरोप लगा। पूजा खेडकर ने लो विजन का हवाला देते हुए विकलांग कैटेगरी से सिलेक्शन हासिल किया था। अभिषेक सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा विकलांग कैटेगरी से पास की थी। उन्होंने लोकोमोटिव डिसऑर्डर यानी खुद को चलने-फिरने में अक्षम बताया था।

भारी पथराव, आगजनी तोड़फोड़ और लाठीचार्ज

कश्मीर के बारामूला में पानी की कमी से 'युद्ध' जैसे हालात

बारामूला में हजारों लोग सड़कों पर उतरे, जमकर किया प्रदर्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिला इन दिनों जल रहा है। लोग सड़कों पर हैं, धरना-प्रदर्शन हो रहे हैं। शुक्रवार को तो हजारों लोग हाइवे पर उतर आए और घंटों हाइवे जाम रहा। भारी पुलिस फोर्स पहुंचा और लोगों को हटाने के लिए कई बार ऐलान किया। प्रदर्शन हिंसक हो गया। आगजनी, पथराव और लाठी चार्ज तक हुआ। बारामूला में यह सब सिर्फ पीने के पानी की कमी के कारण हुआ।

प्रदर्शनकारियों के पथराव किये जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) भी घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पट्टन के मीरगुंड इलाके में श्रीनगर-बारामूला राजमार्ग पर प्रदर्शन किया है।

भीड़ ने अपने वाहन से गुजर रहे भाजपा के कश्मीर मीडिया प्रभारी साजिद यूसुफ शाह और पार्टी के सोशल मीडिया प्रभारी साहिल बशीर पर हमला किया। बीजेपी ने कहा कि हमले में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों नेताओं के पीएसओ गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। बारामूला के कई इलाके हैं, जहां पीने का पानी नहीं मिल रहा है।

अरुणाचल के करीब अब विशाल बांध बना रहा चीन

- भाजपा विधायक बोले-कोई भरोसा नहीं, अब ऐक्शन हो

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश की सीमा के करीब चीन की ओर से एक विशाल बांध बनाया जा रहा है। भाजपा विधायक निनोंग ईरिंग ने इसे लेकर शुक्रवार को चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इससे बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने का खतरा है। उन्होंने केंद्र से इस मुद्दे को चीन के साथ उठाने की अपील की। मालूम हो कि चीन अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक मेडोग में यरलुंग त्सांगपो नदी पर 60 हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता का विशाल बांध का निर्माण कर रहा है। त्सांगपो नदी को अरुणाचल प्रदेश में सियांग और असम में ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। इस नदी की मुख्य धारा बंगाल की खाड़ी में मिलने से पहले बांग्लादेश में प्रवेश करती है तो इसे जमुना के नाम से जाना जाता है। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर पेश धन्यवाद प्रस्ताव पर सदन को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ईरिंग ने कहा, हम अपने पड़ोसी पर भरोसा नहीं कर सकते हैं। हम नहीं जानते कि वह कब क्या करेगा। वे पूरी नदी की धारा मोड़कर सियांग को सूखा सकते हैं या पानी छोड़कर नदी की निचली धारा में अभूतपूर्व बाढ़ का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि बांध के निर्माण से न केवल भारत बल्कि बांग्लादेश भी प्रभावित होगा। अल्पसंख्यक मामलों के पूर्व राज्यमंत्री ने कहा, लोगों की संरक्षा और देश की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता है।

गुजरात में 'जल' जला, यूपी में एनडीआरएफ की तैनाती

- 11 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी, नागपुर में स्कूल-कॉलेज बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के पोरबंदर में गुरुवार-शुक्रवार को 36 घंटे में 565 मिमी बारिश हुई। इससे कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। मौसम विभाग ने यहां आज भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। उधर, उत्तर प्रदेश के बहराइच में घाघरा नदी का जलस्तर बढ़ने से खेतों में काम कर रहे करीब 100 लोग फंस गए। 3 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उन्हें सुरक्षित निकाला गया। इधर, गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण वाराणसी के घाटों पर एनडीआरएफ को तैनात किया गया है। महाराष्ट्र के ठाणे और मुंबई समेत कई जिलों में देर रात और सुबह तेज बारिश हुई। नागपुर में स्कूल-कॉलेजों की आज की छुट्टी कर दी गई है। यहां ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 21 जुलाई के लिए 11 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मुंबई में देर रात और सुबह तेज बारिश के कारण कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। ग्रांट रोड बिल्डिंग की दीवार गिरने से 1 शख्स की मौत हो गई है।

वहीं, 3 लोग घायल हो गए हैं। तेज बारिश के कारण स्टेशन पर भी पानी भर गया है। इससे कई लोकल ट्रेनें 15 से 20 मिनट लेट चल रही हैं। मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से पूरा प्रदेश भीग रहा है।

दिल्ली में पेड़ काटने के मामले को लेकर आम आदमी पार्टी का अनोखा प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में पेड़ काटने के मुद्दे को लेकर भाजपा और दिल्ली के एलजी पर हमला बोला है और आम आदमी पार्टी के दफ्तर के बाहर अपने कार्यकर्ताओं के साथ एक अनोखा प्रदर्शन किया।

इस प्रदर्शन में दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज मौजूद रहे। उनके साथ मौजूद कार्यकर्ताओं ने बड़े-बड़े पेड़ के साइन बोर्ड बनाए हुए थे और दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना का मास्क लगाकर आरी से उसे काटते हुए दिख रहे थे। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली वालों से भाजपा के लोग उनकी शुद्ध हवा भी छीन लेना चाहते हैं।

दरअसल दिल्ली के रिज एरिया में 1100 पेड़ों पर काटने का मामला कोर्ट पहुंच गया है। दिल्ली सरकार लगातार यह आरोप लग रही है कि अमीरों के घर बचाने के लिए रिज एरिया के

1100 पेड़ों को डीडीए ने दिल्ली के एलजी के आदेश पर चुपचाप काट दिए। जबकि रिज एरिया में अगर एक भी पेड़ काटना होता है तो उसके लिए सुप्रीम कोर्ट से परमिशन लेनी होती है।

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के इको सेंसिटिव जोन, असोला भाटी सेंचुरी, जिसे सुप्रीम कोर्ट 'लंग ऑफ दिल्ली' कहता है और जहां एक भी पेड़ सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बिना नहीं काटा

जा सकता, वहां डीडीए ने गैरकानूनी तरीके से 1100 पेड़ काट दिए। सुप्रीम कोर्ट डीडीए के वाइस चेयरमैन से बार-बार पूछ रहा है कि क्या इन पेड़ों को काटने का आदेश दिल्ली के एलजी ने दिया था? लेकिन डीडीए के वाइस चेयरमैन इस बात को गोलमोल घुमा रहे हैं।

रिश्वतखोरी के मामलों में दिल्ली पुलिस के एक उपनिरीक्षक और दो हेड कांस्टेबल सहित तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत के दो अलग-अलग मामलों में दिल्ली पुलिस के एक सब इंस्पेक्टर (एसआई), हौज खास पुलिस स्टेशन और दिल्ली पुलिस के दो हेड कांस्टेबलों सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीबीआई के मुताबिक, गिरफ्तार सब इंसपेक्टर युद्धवीर सिंह यादव हौज खास थाने से है, हेड कांस्टेबल सुधाकर और हेड कांस्टेबल राज कुमार पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र थाने से हैं। पहले मामले में आरोपित एसआई को 2.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। इस मामले में सीबीआई ने दिल्ली पुलिस के उप-निरीक्षक, हौज खास पुलिस स्टेशन के खिलाफ इस आरोप में मामला दर्ज किया गया था कि आरोपित ने अदालत में अनुकूल कार्रवाई रिपोर्ट दायर करने के लिए शिकायतकर्ता से 03 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद आरोपित ढाई लाख रुपये की रिश्वत लेने को तैयार हो गया। सीबीआई ने जाल बिछाया और आरोपित एसआई को शिकायतकर्ता से 2.5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। सीबीआई ने दूसरा मामला दिल्ली पुलिस के स्पेशल स्टाफ के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया था। एक शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल पर आरोप लगाया गया था कि सिविल कपड़ों में 4 व्यक्ति शिकायतकर्ता की दुकान पर आए और उनमें से दो ने खुद को दिल्ली पुलिस, आनंद विहार के सदस्य के रूप में पेश किया। उन्होंने एक मामले में उसका नाम नहीं फंसाने के लिए उससे रिश्वत के रूप में 50 हजार रुपये की मांग की। बातचीत के बाद आरोपित 11 हजार रुपये लेने पर सहमत हो गया। सीबीआई ने एक जाल बिछाया और दिल्ली पुलिस के दो हेड कांस्टेबलों को शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा।

ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन ने दिल्ली में बांग्लादेश सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। बांग्लादेश के छात्र आंदोलन के साथ एकजुटता दिखाते हुए ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (एआईएसए) ने शनिवार को दिल्ली में प्रदर्शन किया। एआईएसए ने पड़ोसी देश में प्रदर्शनकारी छात्रों के दमन की निंदा की। संगठन के सदस्यों ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ नारेबाजी भी की। एआईएसए ने यहां प्रदर्शन के दौरान कहा कि बांग्लादेश में छात्रों की हत्या नहीं सहेंगे, लाठीचार्ज भी नहीं सहेंगे। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश सरकार की आलोचना में हाथों में बैनर भी ले रखे थे। सरकारी नौकरियों में आरक्षण फिर से लागू करने के विरोध में बांग्लादेश में कई सप्ताह से व्यापक विरोध-प्रदर्शन हो रहा है। छात्रों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प में अब तक कम से कम 104 लोगों की मौत हो गई और 2,500 से ज्यादा घायल हो गए हैं। आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन के चलते बांग्लादेश से करीब एक हजार भारतीय छात्र स्वदेश लौट आये हैं। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मेघालय और जम्मू-कश्मीर के भारतीय विद्यार्थी वापस देश लौटने पर मजबूर हुए हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि वह भारतीय नागरिकों का बिना किसी परेशानी के आगमन सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय, इमिग्रेशन, लैंड पोर्ट और बीएसएफ के अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है। जानकारी के अनुसार, कम से कम 778 भारतीय छात्र विभिन्न जमीनी सीमा पोस्टों के माध्यम से भारत लौट आए, जबकि लगभग 200 छात्र ढाका और चटगांव हवाई अड्डों से नियमित के माध्यम से घर लौटे हैं।

कांवड़ियों के लिए 200 शिविर, चलने के लिए अलग लेन

नई दिल्ली। दिल्ली में कांवड़ियों की सेवा के लिए शिविर लगाने का काम जोर-शोर से शुरू हो गया है। सरकार वाटर प्रूफ पंडाल के साथ-साथ सुरक्षा के चाकचौबंद व्यवस्था कर रही है। कांवड़ शिविर समितियों के साथ-साथ अधिकारी शिविर के लिए पंडाल, भंडारे की व्यवस्था और स्वास्थ्य के लिए मेडिकल टीम का गठन कर रहे हैं। सरकार की ओर से दिल्ली भर में कुल 200 कांवड़ शिविर लगाए जाएंगे। साथ ही जीटी रोड पर कांवड़ियों के चलने के लिए एक लेन को रिजर्व रखा जाएगा। राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूर्वी, उत्तर-पूर्वी, शाहदरा और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के कांवड़ शिविरों पर मुख्य फोकस रहता है। यहीं से होकर हरियाणा, राजस्थान से आने वाले कांवड़िए हरिद्वार जाते हैं। कांवड़ियों के रहने, सोने और खाने की पूरी व्यवस्था शिविर में रहेगी। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल के अलावा सीसीटीवी कैमरे लगाकर कंट्रोल रूम के जरिए निगरानी भी रखी जाएगी। सरकार ने एमसीडी व स्वास्थ्य विभाग को कांवड़ शिविरों के लिए साफ-सफाई की खास व्यवस्था करने के साथ मेडिकल टीमों के गठन का निर्देश दिया है। साथ ही कांवड़ शिविरों को एक-एक डिस्पेंसरी और अस्पताल के साथ लिंक किया जाएगा, जिससे आपात स्थिति में जरूरत पड़ने पर उन्हें वहां ले जाया जा सके। वर्तमान में गाजीपुर टोल के पास, अक्षरधाम, सीमापुरी बॉर्डर, सीलमपुर, धर्मपुरा, अप्सरा बॉर्डर जीटी रोड पर कई जगहों पर शिविर लगाए जा रहे हैं।

पांच शिविरों में मुस्लिम करते हैं कांवड़ियों की सेवा : दिल्ली में जीटी रोड पर पड़ने वाले करीब पांच शिविर ऐसे हैं, जो मुस्लिम बाहुल्य इलाकों के आस-पास बने हुए हैं। सावन के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग बढ़ चढ़कर कांवड़ियों की सेवा के लिए आगे आते हैं। उनके खाने-पीने, फल से लेकर अन्य सभी प्रबंधन मुस्लिम समुदाय के लोग उत्साह के साथ करते हैं।

यात्री को चीन के रास्ते अमेरिका भेजने वाला एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली। एयरपोर्ट पुलिस ने कबूतरबाजी के मामले में दो महीने से फरार चल रहे एजेंट को गिरफ्तार किया है। आरोपी अक्षय 47 लाख रुपये में एक यात्री को चीन के रास्ते अमेरिका भेज रहा था। इसके लिए उसके पासपोर्ट पर कई देशों के फर्जी वीजा लगाए गए थे, लेकिन यात्री को चीन में इमिग्रेशन अधिकारी ने पकड़ लिया। इसके बाद उसे भारत डिपोर्ट कर दिया गया। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार बीते 25 मई को पटियाला निवासी कुलदीप सिंह चीन से बैंकॉक होते हुए आईजीआई एयरपोर्ट डिपोर्ट होकर लौटा था। उसके पासपोर्ट पर आईजीआई एयरपोर्ट की फर्जी इमिग्रेशन मुहर लगी थी। मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। कुलदीप सिंह ने पुलिस को बताया कि वह 12वीं कक्षा तक पढ़ा है। उसके कई दोस्त विदेश में नौकरी कर रहे हैं। वह भी रोजगार के लिए अमेरिका जाना चाहता था। अक्षय नाम के एजेंट ने उसे 47 लाख रुपये में कई देशों के रास्ते अमेरिका भेजने का वादा किया। एजेंट ने दुबई, चीन आदि के फर्जी वीजा उसके पासपोर्ट पर लगाए, ताकि उसके कई देश जाने की पुष्टि हो। वह, दिल्ली एयरपोर्ट से बैंकॉक गया और वहां से चीन गया। चीन एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों द्वारा पूछताछ में फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ, जिसके चलते उसे वापस भेज दिया गया। इसके बाद से एजेंट फरार चल रहा था। दिल्ली हाईकोर्ट ने उसकी अग्रिम जमानत याचिका को भी खारिज कर दिया था। हाल ही में सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया।

जेएनयू परिसर की दीवारों पर जातिसूचक गालियां, सांप्रदायिक नारे लिखे गये : एनएसयूआई

नई दिल्ली। कांग्रेस की छात्र इकाई 'नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया' (एनएसयूआई) ने आरोप लगाया कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर की दीवारों पर शनिवार को जातिसूचक गालियां और सांप्रदायिक नारे लिखे पाये गये।

एनएसयूआई की जेएनयू इकाई के महासचिव कुणाल कुमार ने सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें साझा करते हुए आरोप लगाया कि परिसर में कावेरी छात्रावास की दीवारों पर ''दलित भारत छोड़ो'' और ''ब्राह्मण बनिया जिंदाबाद'' और ''आरएसएस जिंदाबाद'' जैसे नारे लिखे हुए थे। उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर तस्वीरें प्रसारित होने के बाद अधिकारियों ने दीवारों पर पेंट करा दिया। 'डीन ऑफ स्टूडेंट्स' मनुराधा चौधरी की ओर से आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। कावेरी छात्रावास के वार्डन मनीष कुमार बरनवाल ने आरोपों पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। छात्र संगठन ने एक बयान में कहा, ''हम, जेएनयू के लोग कावेरी छात्रावास में हाल में हुई घटना से बहुत आहत हैं, जहां दलित बहुजन समुदाय के खिलाफ जातिसूचक गाली के साथ-साथ ''ब्राह्मण बनिया जिंदाबाद'' और ''आरएसएस जिंदाबाद'' जैसे नारे लिखे गए हैं।'' छात्र संगठन ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मंत्री आतिशी ने केंद्र सरकार से बजट में एमसीडी के लिए मांगे 10 हजार करोड़, कहा- नगर निकाय को नहीं मिलता उसका हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकारी कैबिनेट मंत्री आतिशी और मेयर शैली ओबेरॉय ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। आतिशी ने कहा कि 23 जुलाई को पेश होने जा रहे केंद्रीय बजट में दिल्ली का क्या हक होना चाहिए, दिल्ली सरकार का क्या हक होना चाहिए और एमसीडी का क्या हक होना चाहिए दिल्ली वाले ये जानना चाहते हैं। दिल्ली के लोग अपनी नौकरी से अपनी दुकान से या अपने बिजनेस से जो पैसा कमाते हैं उस पर इनकम टैक्स देते हैं।

सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आतिशी ने कहा कि, केंद्र सरकार को दिल्ली से बड़ी मात्रा में टैक्स मिलता है। अगर आप आंकड़े देखें तो दिल्ली उन राज्यों में दूसरे या तीसरे नंबर पर है जो शहर या राज्य केंद्र को ज्यादा टैक्स देते हैं। केंद्र सरकार से हर राज्य की लोकल बॉडी को भी एक हिस्सा मिलता है। एक हिस्सा राज्य सरकार को देती है। पूरे देश में दिल्ली को अपने टैक्स में से एक रुपया भी केंद्र से नहीं मिलता है।' आतिशी ने आगे कहा कि दिल्ली के नगर निगम को आज तक केंद्र सरकार से एक रुपया नहीं मिला है। हम केंद्र सरकार से जानना चाहते हैं कि दिल्ली का क्या गुनाह है कि उनके टैक्स का हिस्सा नहीं मिलता है। पिछले साल 2 लाख 7 हजार करोड़ का इनकम टैक्स दिया। इसके अलावा 25000 हजार करोड़ रूपये सीजीएसटी के रूप में भी केंद्र सरकार को दिए। इस तरह कुल दो लाख 32 हजार करोड़ रूपये केंद्र सरकार को दिल्ली से टैक्स के रूप में मिले। लेकिन, फिर भी केंद्र सरकार ने दिल्ली के लोगों के हक का पैसा दिल्ली सरकार और एमसीडी को विकास कार्यों के लिए नहीं दिया।

जबकि केंद्र सरकार यूपी के निगम को 13 हजार 432 करोड़ रूपये देती है। महाराष्ट्र के नगर निगम को 7 हजार 115 करोड़ रूपया मिलता है। बिहार के निगम को 6,079 करोड़ रूपया मिलता है। दिल्ली की साफ सफाई के लिए केंद्र सरकार पैसा क्यों नहीं देती है। केंद्र सरकार से बजट में हम 10 हजार करोड़ रुपए दिल्ली नगर निगम के लिए मांग रहे हैं।

जमानत के लिए बहाना बना रहे : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा जेल में कम कैलोरी वाला खाना खाने को साजिश का हिस्सा बताया है। शनिवार को उन्होंने आरोप लगाया है कि खराब सेहत का बहाना बनाकर जमानत पाने के लिए वह जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। तिहाड़ जेल प्रशासन की चिट्ठी के बाद उनकी इस साजिश से पर्दाफाश हो गया है। वह जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं, जिससे वह जेल से बाहर आ सकें। सचदेवा ने यह आरोप तब लगाए हैं जब एलजी के प्रधान सचिव की ओर से मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा कहा गया है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में कम कैलोरी वाला खाना खा रहे हैं, जिससे उनका वजन घट रहा है। भाजपा प्रदेशध्यक्ष के मुताबिक, चिट्ठी में साफ लिखा है कि कोर्ट के आदेश के बाद केजरीवाल को घर का खाना दिया जाता है, लेकिन 6 जून से 13 जुलाई के बीच वह जानबूझकर कम कैलोरी का भोजन ले रहे हैं। भाजपा का कहना है कि वह लगातार खानपान कम कर रहे हैं, ताकि वह अपना वजन कम कर सके। उसके जरिए अपनी खराब सेहत का बहाना लेकर सहानुभूति चाहते हैं। सचदेवा का आरोप है कि वह कोर्ट में जाकर यह कहना चाहते हैं कि जेल में वजन कम हो रहा है। उनकी सेहत ठीक नहीं है, जिससे खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर वह जमानत पर बाहर आ सकें। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान केजरीवाल को 21 दिन की जमानत मिली थी। उस समय सुबह से शाम तक वह आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार कर रहे थे। उस समय उनकी सेहत बिल्कुल ठीक थी। भाजपा का कहना है कि जेल जाने से दो दिन पहले उन्होंने बहाना शुरू कर दिया कि सेहत ठीक नहीं है, ताकि उनकी जमानत बढ़ाई जा सके। 7 जून की रात खाने से पहले उन्हें 4 यूनिट इंसुलिन चाहिए थी, लेकिन उन्होंने नहीं ली।

यमुना खादर में डीडीए की झुग्गियां तोड़ने से विस्थापित लोग बोले- गांव जाने पर बच्चों का दाखिला कराने में होगी मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर डीडीए द्वारा अक्षरधाम के पास स्थित यमुना खादर में झुग्गियों को तोड़ने की कार्रवाई की गई। शुक्रवार को दूसरे दिन भी डीडीए के द्वारा 100 से ज्यादा झुग्गियों को तोड़ा गया। इन झुग्गियों को तोड़े जाने से विस्थापित हुए लोगों का कहना है कि हर साल नोटिस आते हैं। हर साल झुग्गियों को तोड़ा जाता है। उसके बाद फिर मामला शांत हो जाता है।

लोगों का कहना है कि एक बार में ही यहां पर झुग्गियों को तोड़ने के बाद दोबारा झुग्गियां नहीं बनाने दी जाएं। लेकिन, दोबारा झुग्गियां बनती हैं तो डीडीए के लोग कोई ऑब्जेक्शन नहीं करते और जब बन जाती हैं तो फिर उनको तोड़ देते हैं। यहां रह रहे ग्रामीणों ने बताया कि लोग यहां 20 से 25 साल से भी ज्यादा समय से खेती कर रहे हैं। करीब 2000 से ज्यादा लोग हैं। यहां पर 100 से ज्यादा परिवार है। लोगों के पास यहां के राशन कार्ड और वोटर कार्ड भी हैं। हर चुनाव में लोग वोट भी डालते हैं।

यहां झुग्गी में रहने वाले मानचंद ने बताया कि पहले 5 तारीख को झुग्गी तोड़ी गई थी। उसके बाद बीच में फिर बंद कर दी गई। अब 18 तारीख से फिर से तोड़ना शुरू किया गया है। बहुत सारा सामान तोड़ दिया है। यहां रहने वाले रूकपाल ने बताया कि उनके छह बच्चे हैं। तीन बच्चे मयूर विहार फेज वन के सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। एक बच्चा प्राइवेट स्कूल में पढ़ता है। बच्चों का एडमिशन अप्रैल में हो चुका है। अब ऐसे समय में झुग्गियां तोड़ी गई। अब बच्चों को हम कहां लेकर जाएं। दूसरी जगह चले जाएंगे तो बच्चों का दाखिला कैसे होगा।

यमुना खादर में पिछले 10 साल से पंचशील पाठशाला चला रहे शिक्षक सतेंद्र कुमार ने बताया कि हाई कोर्ट के आदेश पर झुग्गियां तोड़ी जा रही हैं। ऐसे में यहां रहने वाले लोगों को विस्थापित तो होना ही पड़ेगा। लेकिन, इस तरह ही कार्रवाई करने से पहले इन लोगों को और समय दे दिया जाता। अभी ऐसे समय में झुग्गियां तोड़ी जा रही, जब बारिश का समय है। बच्चों के दाखिले हो चुके हैं। पाठशाला में पढ़ने वाले बच्चों के लिए हम भी अभी कोई इंतजाम नहीं कर पाए हैं। उनकी आगे की पढ़ाई कैसे होगी इस बारे में भी कुछ सोच नहीं पाए हैं।

सतेंद्र ने आगे बताया कि बहुत से लोग गांव जाने का विचार बना रहे हैं। जबकि कुछ लोगों ने अशोकनगर में कमरे भी किराए पर ले लिए हैं। रैन बसेरे में अभी तक कोई नहीं गया है। वहीं, गीता कॉलोनी में रैन बसेरा संचालक नितिन से बात करके पूछा गया कि गीता कॉलोनी रैन बसेरे में क्या कोई यमुना खादर का विस्थापित गया है तो उन्होंने बताया कि अभी तक कोई विस्थापित नहीं आया है। यहां के रैन बसेरो में पहले से ही कश्मीरी गेट की झुग्गियों के विस्थापित लोग रह रहे हैं।

दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव 'हाइब्रिड' सुनवाई के लिए 387 करोड़ रुपये शीघ्र मंजूर करें : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को राष्ट्रीय राजधानी में 691 अधीनस्थ अदालतों में 'हाइब्रिड' सुनवाई को सुगम बनाने तथा इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने के वास्ते 387 करोड़ रुपये शीघ्र मंजूर करने का निर्देश दिया है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी.एस अरोड़ा की पीठ ने जिला अदालतों में 'हाइब्रिड' सुनवाई के लिए जरूरी अवसंरचना से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि सभी 691 अदालतों के वास्ते एक व्यापक निविदा जारी की जाए। हाइब्रिड सुनवाई का तात्पर्य अदालत कक्षों में प्रत्यक्ष रूप से और ऑन लाइन माध्यम से सुनवाई है। पीठ ने कहा, ''नतीजतन यह अदालत दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को सभी 691 अदालतों के संबंध में 387.03 करोड़ रुपये की राशि के लिए 19 अप्रैल, 2024 के प्रारंभिक अनुमान के अनुसार वित्तीय मंजूरी देने के मामले में तेजी से कदम उठाने का निर्देश देती है। यह स्पष्ट किया गया है कि प्रायोगिक अदालतों सहित सभी 691 अदालतों के लिए एक व्यापक निविदा जारी की जाएगी।'' उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार को शुरू में प्रति जिले दो प्रायोगिक अदालतों के बजाय प्रति अदालत परिसर में दो प्रायोगिक अदालतें स्थापित करने की अनुमति दी, जिसका निर्णय रजिस्ट्रार जनरल द्वारा किया जाएगा। उच्च न्यायालय में दिल्ली सरकार का पक्ष अतिरिक्त स्थायी वकील अनुज अग्रवाल ने रखा। सभी अन्य अदालतों में इस परियोजना को लागू करने से पहले उसके कामकाज का मूल्यांकन करने के लिए ये 'प्रायोगिक' अदालत स्थापित की जाएंगी। उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार के कानून विभाग की नवीनतम यथास्थिति रिपोर्ट पर गौर किया जिसमें खुलासा किया गया है कि इस मामले में नीतिगत फैसला जुड़ा है और इसपर मंत्रिपरिषद की मंजूरी की जरूरत है। उच्च न्यायालय ने कहा, ''चूंकि 'हाइब्रिड' सुनवाई से जुड़ा व्यय 500 करोड़ रुपये से कम है और दिल्ली सरकार दिल्ली उच्च न्यायालय में हाइब्रिड सुनवाई की नीति पहले ही लागू कर जा चुकी है, ऐसे में इस अदालत का मत है कि यहां (कारोबार विनिमय नियमावली) का उपबंध नौ लागू नहीं होता है और मंत्रिमंडल की अनिवार्य मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा, इस मामले में कोई देरी नहीं होनी चाहिए क्योंकि तकनीक बहुत तेजी से अप्रचलित हो जाती है।'' उच्च न्यायालय का यह आदेश वकील अनिल कुमार हाजेलय की याचिका पर आया है। याचिकाकर्ता ने 2021 में कोविड महामारी के दौरान याचिका दायर कर जिला अदालतों में 'हाइब्रिड' सुनवाई समेत कई अनुरोध किये थे। इस मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी।

कारोबारी के 60 लाख लेकर चंपत हुआ कर्मचारी क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ा, लूटपाट की रची थी झूठी कहानी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच नॉर्दर्न रेंज-2 ने एक ऐसे मामले को सुलझा लिया है जिसमें पीतमपुरा के आयरन स्क्रैप के कारोबारी ने कर्मचारी से ?60 लाख रुपयों और फॉरेन करंसी से भरे बैग को लूटने का मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले में फरार चल रहे कारोबारी के कर्मचारी को अब क्राइम ब्रांच ने धरदबोचा है जिसकी पहचान मंगल तिवारी ऊर्फ सुनील (24), रोहिणी (दिल्ली) के रूप में की गई है।

आरोपी कर्मचारी ने ही 1 जनवरी, 2023 में अपने साथ लूटपाट होने की झूठी कहानी गढ़ी थी जब उसको यह रुपयों से भरा बैग एक दूसरे कारोबारी को देने को पीड़ित व्यवसायी की ओर से दिया गया था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त सतीश कुमार के मुताबिक पीतमपुरा के एक व्यापारी वीरेंद्र गर्ग ने शिकायत दर्ज करायी थी कि? उनके पास काम करने वाले एक कर्मचारी मंगल तिवारी को 31 दिसंबर, 2022 को 60 लाख रुपए और विदेशी मुद्रा से भरा बैग सौंपा गया था जिसको एक दूसरे व्यापारी को देने के लि?ए दि?या गया था। मंगल तिवारी, आयरन स्क्रैप कारोबारी के यहां फील्ड वर्क का काम भी करता था। उस पर भरोसा करते हुए व्यापारी ने 31 दिसंबर, 2022 को अपने घर पर ही रोक लिया था जिसके बाद उसे अगले दिन 1 जनवरी 2023 को दूसरे कारोबारी को बैग सौंपने के लिए दे दिया था।

आरोपी कर्मचारी ने शाम के वक्त करीब 5 बजे शिकायत कर व्यवसायी मालिक को फोन पर बताया कि पहाड़गंज फ्लाईओवर के पास किसी अज्ञात शख्स ने उसका बैग छीन लिया है। इस घटना के बाद पीड़ित कारोबारी ने मंगल तिवारी को तुरंत पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के लिए ऑफिस आने को कहा लेकिन वो इधर-उधर की बात कर मामले को लंबा खींचता रहा।

इसके बाद शिकायतकर्ता व्यवसायी ने पुलिस में मामला दर्ज कराया तब से ही आरोपी फरार चल रहा था। इस बीच हेड कांस्टेबल अजय को मामले में फरार चल रहे मंगल तिवारी उर्फ सुनील के बारे में गुप्त सूचना मिली। इसके बाद उस पर मैन्युअल और टेक्निकल सर्विलांस के जरिए पूरी निगरानी रखी गई। इस दौरान पता चला कि आरोपी मंगल तिवारी खुद को पुलिस से बचने के लिए बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा है और वर्तमान में वह रोहिणी में कहीं रह रहा है। इस इनपुट के आधार पर एसीपी नरेंद्र सिंह और इंस्पेक्टर संदीप तुषीर की अगुवाई में एक टीम का गठन किया गया।

टीम ने सूचना वाली जगह पर पूरा जाल बिछाया और मंगल तिवारी और सुनील को धरदबोचने में

कामयाबी हासिल की। पुलिस की लगातार पूछताछ के बाद अपराधी ने अपनी संलिप्तता को कबूल कर लिया है। आरोपी मंगल तिवारी 8वीं क्लास तक पढ़ा है और रिक्शा चलाने का काम करता है। वह पहले वीरेंद्र गर्ग के कार्यालय में काम करता था। वीरेंद्र उसे करंसी को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए भेजा करता था। बताया जाता है कि चोरी की रकम से उसने घर, गहनों के साथ दूसरा घरेलू सामान खरीद लिया था।

घर में घुसकर सात साल की मासूम से दुष्कर्म

-नंदनगरी में तीन साल के भाई के सामने दिया वारदात को अंजाम

नई दिल्ली, । नंदनगरी में सात साल की मासूम से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। 17 जुलाई को पिता काम पर गए हुए थे। मां तीन साल के बेटे व सात साल की बेटी को घर पर छोड़कर बाजार गई थी। मौका पाकर पड़ोसी युवक जबरन घर में घुसा और जान से मारने की धमकी देकर वारदात को अंजाम दिया। इस बीच मां घर पर पहुंच गई। बेटी के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसने दरवाजा खटखटाया। दरवाजा खोलते ही आरोपी वहां से भागने लगा, लेकिन मां ने लोगों की मदद से आरोपी को पकड़ लिया। इसके बाद उसकी पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपी की पहचान सौरभ ऋषि (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ पॉक्सो और दुष्कर्म के अलावा अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी है। आरोपी फिलहाल बेरोजगार है और किराए पर रहता है। 17 जुलाई को मासूम का पिता काम पर था। इस बीच मां बच्चों को घर में अकेला छोड़कर बाजार सामान लेने के लिए चली गई थी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मारने की साजिश रच रही भाजपा: आतिशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेकर एलजी के प्रधान सचिव की तरफ से लिखी गई चिट्ठी पर शनिवार को आम आदमी पार्टी ने पलटवार किया है। आप नेता व दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया है कि भाजपा मुख्यमंत्री को मारने की साजिश रच रही है। उनका शुगर रात में 50 से नीचे जा रहा है, जो जानलेवा है। इसके बाद भी बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं।

आतिशी ने कहा कि मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने का मकसद सिर्फ उन्हें जेल में रखना नहीं है, बल्कि उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ करके उनकी हत्या की साजिश रची जा रही है। सीएम को 30 साल से शुगर है। बीते कुछ समय में उनका शुगर लेवल आठ बार 50 से नीचे जा चुका है, लेकिन अब तक उन्हें भर्ती नहीं कराया गया है, जबकि यह असमान्य स्थिति है और किसी भी मरीज को डॉक्टर अस्पताल में भर्ती कर लेता है।

मंत्री ने कहा कि सीएम को इस हालत में ब्रेन स्ट्रोक हो सकता है, वह कोमा में जा सकते हैं। ब्रेन डैमेज हो सकता है, लेकिन इस पर ध्यान देने के बजाय भाजपा उनके खानपान को लेकर सवाल उठा रही है, जो बेहद दुखद है। सभी जानते हैं कि शुगर के मरीज के लिए खानपान का कितना ध्यान रखना होता है। अगर वह सही खानपान का ध्यान रख रहे हैं तो उसमें गलत क्या है। कोई जानबूझकर अपने सेहत खराब क्यों करेगा।

कौन अपनी सेहत खराब करेगा : संजय सिंह

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने एलजी की ओर से लिखी चिट्ठी पर सवाल उठाया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट में लिखा है...यह क्या मजाक कर रहे हैं एलजी साहब। क्या कोई आदमी खुद रात में शुगर कम करेगा। संजय सिंह ने कहा कि यदि आपको इस बीमारी के बारे में नहीं पता है तो इस तरह की चिट्ठी नहीं लिखना चाहिए। ईश्वर ना करें कभी आप के साथ ऐसा समय आए।

मंडलायुक्त व आईजी मेरठ ने की कांवड यात्रा तैयारी के संबंध में बुलंदशहर के समस्त अधिकारियो के साथ की समीक्षा बैठक

दुर्गम खबर
बुलंदशहर : कांवड यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराये जाने हेतु शासन द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में आज मंडलायुक्त श्रीमती शेल्वा कुमारी जे एवं आईजी श्री नचिकेता झा द्वारा कांवड यात्रा को लेकर की गयी तैयारियों के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में पुलिस व प्रशासनिक एव अन्य अधिकारियो के साथ समीक्षा बैठक आहूत की गयी।
बैठक में मंडलायुक्त श्रीमती शेल्वा कुमारी जे ने निर्देशित करते हुये कहा कि कांवड यात्रा के दौरान कांवडियो के प्रति अच्छा व्यवहार रखा जाये। उन्होने कहा कि कावंडियो की सुरक्षा तथा उनको सुविधाएं देना प्रशासन का काम है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। कांवड यात्रा को सकुशल संपन्न कराना शासन की प्राथमिकता है। उन्होने कहा कि कांवड शिविरो तथा कांवड मार्ग पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान दिया जाये। घाटो की सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग करा ली जाये। उन्होने लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई के अधिकारी को कांवड मार्ग पर पडने वाली सडको को गड्ढा मुक्त कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होने विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी को कांवड मार्ग पर विद्युत तार व ट्रांसफॉर्मर की बैरेकेडिंग, खंभो पर पॉलिथीन लगवाना एव खंभो को दुरूस्त करने के निर्देश दिए ताकि उससे कोई अप्रिय घटना घटित न हो। उन्होने कावंडियो के ठहरने एवं उनके आराम के लिए उचित स्थान की व्यवस्था की जाये, यह स्थान सडक के बिल्कुल पास नहीं होना चाहिए। उन्होने कहा कि समान प्रकृति की दुर्घटनाओ को चिन्हित कर यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि ऐसी दुर्घटनाओ की पुनरावृत्ति न हो।
आईजी श्री नचिकेता झा ने कहा कि कांवड यात्रा के दौरान साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था रखी जाये।उन्होने कहा कि रूट

डायवर्जन स्थानीय लोगो को अवगत कराते हुये किया जाये। शिविर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच का प्रबंध किया जाये ताकि फूड प्वाइजनिंग जैसी घटनाये न हो। शिविर के आस-पास साफ-सफाई की व्यवस्था की जाये। कांवडियो के लिए पेयजल, प्रकाश, चिकित्सा आदि की समुचित व्यवस्था रहे। वाहनो की गति पर नियंत्रण के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाये। कोई भी घटना होने पर त्वरित कार्यवाही की जाये। उन्होने कहा कि श्रद्धालुओ की सुरक्षा व्यवस्था हेतु पडोसी जनपद से समन्वय बनाते हुये कार्यवाही की जाये, व्हाट्सऐप ग्रुप बनाकर सूचनाओ का आदान-प्रदान किया जाये। उन्होने अधिकारियो को निर्देशित किया कि डीजे कांवड की ऊंचाई अधिक न हो। नहरो पर सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेडिंग की जाये। उन्होने कहा कि आपराधिक तत्वो पर पैनी नजर रखी जाये तथा कोई भी मामला संज्ञान में आने पर तत्काल कार्यवाही की जाये।
बैठक में जिलाधिकारी श्री चन्द्र प्रकाश सिंह ने कांवड की तैयारियो से मंडलायुक्त महोदया को अवगत कराते हुये बताया कि जनपद के सभी कांवड मार्ग में पडने वाली सडको को गड्ढा मुक्त व जल भराव हेतु समस्या का निस्तारण किया जा रहा है। उन्होने कहा कि बेहतर यातायात व्यवस्था हेतु जनपद में रोड मैप तैयार किया गया है। कावड़ यात्रा को 4 सुपर जोन में विभाजित किया गया है जिसमे जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट व अन्य अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जा चुकी हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 18 एम्बुलेंस, चिकित्सा शिविर, सीएचसी व पीएचसी सेन्टर एव प्राइवेट अस्पतालों में पूर्ण तैयारी कर ली गई हैं। शिविरो में मेडिकल कैम्प की व्यवस्था की जा रही है। बस अड्डा, रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था, कांवड मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, गोताखोर की व्यवस्था, नहरो के किनारे सुरक्षात्मक रस्से/बैरिकेडिंग, शिविरो के निकट पानी का टैंकर, शौचालय, महिला व पुरूष कावंडियो के लिए अलग- अलग स्नानघर की व्यवस्था, स्ट्रीट लाईट आदि व्यवस्थाएं की जा रही है। उन्होने कहा कि 24 घंटे विद्युत आपूर्ति, ट्रांसफार्मर की बैरिकेडिंग व खंभों पर पॉलिथीन तथा बिजली सुरक्षा हेतु टीमों का गठन किया गया है। कांवड शिविरो को अस्थाई विद्युत कनेक्शन दिये जाने की व्यवस्था की गई है। खाद्य एवं आबकारी विभाग को चैकिंग करने तथा परिवहन विभाग को डग्गामार वाहनो के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। आवारा पशुओ के लिए टीम गठित कर दी गयी है तथा निराश्रित गौवंश के लिए गौशालाएं तैयार है। उन्होने बताया कि अग्निशमन विभाग के अधिकारी को सतर्क रहने के निर्देश दिये गये है।
इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री श्लोक कुमार, अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अभिषेक कुमार सिंह व अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) डा0 प्रशान्त कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नयी बिजली दर के प्रस्ताव पर आयोजित हुई जन-सुनवाई

दुर्गम खबर
उत्तर प्रदेश : नियामक आयोग द्वारा पश्चिमाचल विद्युत वितरण निगम लि०, मेरठ की सकल विद्युत आवश्यकता / टैरिफ वित्तीय वर्ष 2024-25, वार्षिक परफोर्मेन्स रिव्यू वित्तीय वर्ष 2023-24 तथा टू-अप वित्तीय वर्ष 2022-23 याचिका पर जन-सुनवाई का आयोजन किया गया। आयोजन अटल सभागार, चौधरी चरण सिंह युनीवर्सिटी, रामगढी, मेरठ मे किया गया।
जन-सुनवाई में प्रबन्ध निदेशक श्रीमती ईशा दुहन (IAS), द्वारा माननीय आयोग के समक्ष तकनीकी / वाणिज्यिक बिन्दुओं का प्रस्तुतीकरण किया गया तथा अवगत कराया गया कि P.V.V.N.L. का VISION 2030 है कि 1912, सोशल मीडिया, सी०जी०आर०एफ० एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, ससमय निस्तारण हो, जिसके फलस्वरूप उपभोक्ता सेवा ए-प्लस श्रेणी की प्राप्त की जा सके। इलेक्ट्रिक नेटवर्क 60 प्रतिशत भारिता के साथ (एन-1), रिटेडेन्सी तथा SAIP/SAIDI मे सुधार उपरान्त निर्वाध विद्युत आपूर्ति प्राप्त की जा सके एवं प्रबन्ध निदेशक द्वारा आयोग के समक्ष पश्चिमाचल विद्युत वितरण निगम लि० की सकल राजस्व आवश्यकता, टैरिफ वित्तीय वर्ष 2024-25, वार्षिक परफोर्मेन्स रिव्यू वित्तीय वर्ष 2023-24 तथा टू-अप वित्तीय वर्ष 2022-23 के आकडों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया।
इस दौरान डिस्काम के मेरठ, मुरादाबाद, नोएडा,

गाजियाबाद, बुलन्दशहर, सहारनपुर आदि जनपदों के उपभोक्ताओं व अन्य संबंधित संस्थाओं ने अपने सुझाव / मतों को आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया। आयोग ने आश्वस्त किया कि उपभोक्ताओं द्वारा दिये गये सुझाव / मतों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाऐगा।
जन-सुनवाई में उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविन्द कुमार, उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डा० आशीष कुमार गोयल, सदस्य यू०पी०ई०आर०सी डा० संजय कुमार सिंह, सचिव (यू०पी०ई०आर०सी०) शैलेन्द्र गौड, निदेशक टैरिफ (यू०पी०ई०आर०सी०) डा० अमित भार्गव, पश्चिमाचल विद्युत वितरण निगम लि० के श्री संजय जैन निदेशक (वाणिज्य), एन०के० मिश्र निदेशक (तकनीकी), स्वतंत्र कुमार तोमर निदेशक (वित्त) तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भाकियू जनशक्ति ने एडीएम को ज्ञापन सौंपा, रखी मांगे

दुर्गम खबर
हापुड़। भारतीय किसान यूनियन जनशक्ति हापुड़ संगठन ने सिंभावली शुगर मिल पर किसानों के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान को लेकर स्तिथि स्पष्ट करने के लेकर एक पंचायत जिला अधिकारी कार्यालय हापुड़ में जिला अध्यक्ष सुधीर चौधरी के नेतृत्व में रखी जिसमे एडीएम हापुड़, जिला गन्ना अधिकारी हापुड़, सोसायटी सचिव के सामने किसानों की स्तिथि स्पष्ट करने को कहां, बकाया भुगतान सबसे पहले किसान का होगा, अब 2011 से लंबित गन्ना देरी भुगतान का ब्याज नए पेराई सत्र से पहले, गन्ने के आवागमन रास्तों की मरम्मत को लेकर विस्तार से जानकारी दी और तुरंत सभी मांगों को पूरा करने पर जोर दिया। इस पंचायत में प्रदेश सचिव अनुराग त्यागी, जिला उपाध्यक्ष मुनेश यादव, जिला सचिव करणवीर सिंह, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष विपुल चौधरी, युवा जिला अध्यक्ष रागिब चौधरी, जिला कानूनी सलाहकार मोहित त्यागी, मंडल उपाध्यक्ष संजय त्यागी, मंडल उपाध्यक्ष मुद्दिसीर अली, गढ़ तहसील अध्यक्ष संदीप सिंह, युवा प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष राहुल सिंधू, प्रभारी सोहन सिंधू, धर्मेंद्र मसंद, अजय शर्मा, सहित सैकड़ों साथी उपस्थित रहे।

गृह कर तथा जल कर बढाना अप्रासंगिक, व्यापारी हुए लामबंद

दुर्गम खबर-बुलंदशहर संयुक्त उद्योग एवं व्यापार मंडल बुलंदशहर के प्रदेश अध्यक्ष नीरज जिंदल एवं जिला महामंत्री असीम विनोद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल नगर पालिका परिषद बुलंदशहर की अध्यक्षा दीप्ति मित्तल से नगर पालिका में जाकर मुलाकात की और पालिका के द्वारा प्रस्तावित जलकर और गृहकर में वृद्धि का विरोध दर्ज करवाते हुए एक ज्ञापन दिया।नगर अध्यक्ष प्रफुल्ल चंद्रा ने कहा कि पिछले कार्यकाल में ही गृह कर और जल कर की दरों में काफी बढ़ोत्तरी हुई है,जिस कारण इस बार गृह कर और जल कर को बढ़ाने का कोई औचित्य नहीं है। नगर महामंत्री तरुण मित्तल ने कहा कि जनहित में गृह कर और जल कर को व्यावहारिक रूप में देखा जाना चाहिए।व्यापारी और आम जनता वर्तमान में काफी परेशान हैं, इसलिए यह कर बढ़ाना कदापि उचित नहीं है। नगर पालिका अध्यक्षा दीप्ति मित्तल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि गृह कर और जलकर को बिना आप लोगों से वार्ता के नहीं बढ़ाया जाएगा, प्रतिनिधि मंडल में नीरज जिंदल , असीम विनोद , सरदार त्रिलोचन सिंह, वैभव गुप्ता, प्रफुल्ल चंद्रा, तरुण मित्तल, इब्राहिम अब्बासी , सोनू सूरी, नकुल जिंदल आदि उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत लक्ष्य से बढ़कर हुआ पौधारोपण

हापुड़। पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जन महाअभियान 2024 (एक पेड़ मां के नाम) के अन्तर्गत मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे के साथ जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर व प्राधिकरण उपाध्यक्ष नितिन गौड़ द्वारा खिलवाई, बायो डायवर्सिटी पार्क, दतियाना नीम नदी, बदनौली तथा आनन्द विहार में पौधारोपण किया गया तथा सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की गई। वही पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जन अभियान-2024 ("एक पेड़ मां के नाम") के अंतर्गत सांसद गाजियाबाद अतुल गर्ग, विधायक धौलाना धर्मेश तोमर एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानन्जय सिंह द्वारा थाना धौलाना परिसर में वृक्षारोपण किया गया। वही बुलंदशहर रोड स्थित जदीद पुलिस चौकी पर पुलिस कर्मियो ने पौधारोपण किया। वही थाना हापुड़ क्षेत्र की साइलो पुलिस चौकी परिसर में शहर कोतवाली रघुराज सिंह ने पुलिसकर्मियो सहित पौधारोपण किया। वही अभियान के अन्तर्गत भाजपा की जिला मंत्री पिंकी त्यागी, भाजपा के जिला महामंत्री श्यामेंद्र त्यागी, अर्जुन ठाकुर,मुनेश आदि वार्ड संख्या 24 में पहुंचे, जहां पौधारोपण किया। पिंकी त्यागी ने लोगों को अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ साथ उनकी देखभाल भी की जाए। त्यागी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण जरूर करना चाहिए। पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए पौधारोपण अवश्य करें। पर्यावरण को बेहतर रखने के लिए पौधारोपण जरूर करें। प्रदेश सरकार पर्यावरण को लेकर गंभीर हैं। सरकार का पूरा प्रयास है कि अधिक से अधिक पौधारोपण हो ताकि पर्यावरण को बेहतर रखा जा सके।

कांवड़ यात्रा के तहत डीजीपी मेरठ ने ब्रजघाट का पैदल गस्त कर निरीक्षण कर, तैयारियो का लिया जायजा

दुर्गम खबर-हापुड़। कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत पुलिस महानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र, मेरठ द्वारा पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह के साथ थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्रांतर्गत ब्रजघाट का पैदल गस्त कर तैयारियों का जायजा लिया गया। आपको बता दें कि कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न करने के लिए सड़क से लेकर तीर्थ नगरी बृजघाट गंगा घाट का निरीक्षण किया गया, जहां पर हापुड़ एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह, हापुड़ के अपर पुलिस अधीक्षक, गढ़मुक्तेश्वर सीओ भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे, जहां पर पुलिस महानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र, मेरठ ने तीर्थ नगरी बृजघाट का पैदल गस्त कर कानून व्यवस्थाओ को परखा, उन्होंने कांवड़ यात्रा को सकुशल

संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत तैयारियों का जाजया लिया, वही कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस महानिरीक्षक यातायात रूट व्यवस्था के मामले में काफी सख्त नजर आ रहे थे, वही गंगा में बैरकटिग को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए, वहीं वाहन पार्किंग व्यवस्था एवं सीसी कैमरे आदि के विषय में भी सख्त निर्देश दिये गए, वही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश।

नगर पालिका बोर्ड बैठक रही हंगामेदार, 100 करोड़ के 103 प्रस्ताव हुए पारित

दुर्गम खबर-हापुड़। नगर पालिका परिषद की हुई बोर्ड बैठक में शनिवार को सभासदों ने विकास, सफाई व्यवस्था, भ्रष्टाचार आदि को लेकर जमकर हंगामा किया। इतना ही नहीं विधायक का माईक उठाकर सभासदों में आपस में धक्का मुक्की हुई। हंगामें के बावजूद 100 करोड़ रुपए के 103 प्रस्ताव पारित कर दिए गए। शनिवार को नगर पालिका परिषद के सभागार में आयोजित बोर्ड बैठक शुरू होते ही 100 करोड़ रुपए के 103 प्रस्ताव रखे गए। इसके अलावा शहर के विकास संबंधित नाली, गरजे, सड़कें, सफाई व्यवस्था, पेयजल आदि प्रस्ताव आदि रखे गए। मीटिंग शुरू होते ही सभासद विभिन्न मुद्दों पर बहस करने लगें और आपस में ही भिड़ गए। जिससे सभासदों में आपस में ही हाथापाई और खींचा तानी सोनें लगी। विधायक विजय पाल आढ़ती, ईओ मनोज कुमार आदि सभासदों को समझाते रहे, परन्तु सभासदों ने उनकी एक नहीं सुनी। इस बीच एक सभासद ने विधायक का माईक उठाकर हंगामा किया। सभासद विकास दयाल ने पालिका में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि पालिका में पारदर्शिता से विकास कार्य नहीं हो रहे

हैं,जिस कारण भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है। वार्ड में सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण आदि कार्य होने चाहिए। ईओ मनोज कुमार ने बताया कि बोर्ड बैठक में 100 करोड़ रुपए के 103 प्रस्ताव पारित कर दिए गए।

मंसूरी फेडरेशन ऑफ इंडिया की बैठक में दिए गए पद, लोगो ने दी मुबारकबाद

दुर्गम खबर- बुलंदशहर : नगर स्थित एक मकान में मंसूरी फेडरेशन ऑफ इंडिया की बैठक का आयोजन किया गया जिसमे जिले समेत मंडल स्तर के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही बैठक में मंसूरी समाज के उत्थान के लिए सभी लोगों ने अपने अपने विचार रखे इदरीस मंसूरी की अध्यक्षता में हुई मीटिंग का संचालन प्रदेश अध्यक्ष नईम मंसूरी ने किया नईम मंसूरी ने संचालन के दौरान कहा कि पसमांदा मंसूरी समाज को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण काम है। हमारे समाज का हर बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सके इसके लिए समाज के बुजुर्गों को जिम्मेदारी निभानी पड़ेगी समाज की कुरीतियों को समाप्त करके अच्छी शिक्षा और अच्छे स्वास्थ पर ध्यान दें। एक मां की उच्च शिक्षा सम्पूर्ण परिवार के लिए मील का पत्थर साबित होती है बैठक में सर्वसम्मति से इदरीस मंसूरी को प्रभारी उत्तर प्रदेश व मेरठ मंडल उपाध्यक्ष चुना गया तो वहीं मुमताज मंसूरी को जिलाध्यक्ष बुलंदशहर चुना गया चुने गए दोनों सदस्यों को नईम मंसूरी ने पत्र दिया व फूलमालाये देकर शुभकामनाएं दीं चुने गए जिलाध्यक्ष व प्रभारी ने अपनी जिम्मेदारियों का कर्तव्य निष्ठा से पालन करने का संकल्प लिया उन्होंने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारियाँ दी हैं वह उन्हें हरसंभव निभाएंगे। इस अवसर पर लियाकत अली मंसूरी ,हाजी यामीन मंसूरी, मुमताज मंसूरी, मुबीन मंसूरी, कमरुल मंसूरी,आसमोहम्मद मंसूरी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित सदस्यों का सभी ने फूल मालाओं से स्वागत किया।

गाजियाबाद बार एसोसिएशन चुनाव की वोटिंग के बाद देर रात आया रिजल्ट, दीपक शर्मा और कपिल त्यागी को मिली जीत

(अंकुरित ओझा) गाजियाबाद। बार एसोसिएशन कार्यकारिणी चुनाव में शुक्रवार को मतदान हुआ। सुबह आठ बजे से शुरू हुआ मतदान शाम छह बजे तक चला। देर रात तक वोटों की गिनती होती रही। चुनाव परिणाम रात 11 बजे के बाद आने शुरू हुए। दिनभर चली वोटिंग में 2,778 वोटरों में से 2,553 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव संयोजक स्नेह त्यागी ने बताया कि बार एसोसिएशन में कुल नौ पद हैं। इनमें से वरिष्ठ और कनिष्ठ कार्यकारिणी के पांच - पांच सदस्यों का चुनाव निर्विरोध किया जा चुका है। शुक्रवार को अध्यक्ष, सचिव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष, सह सचिव पुस्तकालय, सहसचिव प्रशासन और कोषाध्यक्ष पद के लिए मतदान हुआ। देर रात तक चली वोटों की गिनती में वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर शबनम खान, कोषाध्यक्ष पड़ पर सचिन गुप्ता, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कपिल त्यागी, सह सचिव प्रशासन पड़ पर सोनिका सिंह और सह सचिव पुस्तकालय पद पर कमल किशोर चुने गए हैं। अध्यक्ष और सचिव पद पर देर रात वोटों की गिनती जारी है। कचहरी में शुक्रवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही पुलिस ने मतदान के लिए कचहरी में जाने वालों की जांच के लिए डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर लगाया। देर रात एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव और कविनगर थाना प्रभारी कचहरी में पुलिस फोर्स के साथ तैनात रहे।

प्राइवेट गेस्ट हाउस में चल रहा वेश्यावृत्ति का गोरख धंधा, वीडियो वायरल

बुलंदशहर: स्याना कोतवाली क्षेत्र में एक प्राइवेट गेस्ट हाउस का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वेश्यावृत्ति के गोरख धंधे का वीडियो सोशल मीडिया पर जोरों शोरों से वायरल हो रहा है। हालांकि आज का मुद्दा वायरल वीडियो की पुष्टी नहीं करता। वीडियो वायरल होने के साथ ही प्रशासनिक अधिकारी हरकत में आ गए। एसडीएम देवेंद्र पाल सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच के लिए टीम गठित कर दी गई है।

वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया

प्राइवेट गेस्ट हाउस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में दो युवकों के बीच हुई बातचीत साफ देखी जा सकती है।

जांच के बाद होगी तुरंत कार्रवाई: एसडीएम देवेंद्र पाल सिंह

एसडीएम देवेंद्र पाल सिंह ने बताया कि मामले की जांच के लिए दिशा निर्देश दे दिए गए हैं। वायरल वीडियो की जांच कराई जा रही है। जांच के बाद मामले में उचित कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

झोपड़ी में घुसा डंपर, दंपती और उनके दो बच्चों की मौत, महिला आठ माह की थी गर्भवती

(के0जी0 शर्मा) लखनऊ। अयोध्या हाईवे पर बीबीडी थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हुआ। मौरंग लदा डंपर अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे एक झोपड़ी में घुस गया। झोपड़ी में सो रहे दंपती और उनके दो बच्चों को रौंद दिया। चारों की मौके पर मौत हो गई। महिला आठ माह की गर्भवती थी। दंपती की एक सात साल की बेटी बाल-बाल बची।
बाराबंकी के जैतपुर निवासी उमेश (35) टाइल्स कारीगर थे। वह अयोध्या हाईवे किनारे झोपड़ी डालकर पत्नी नीलम (32) देवी, बेटे गोलू (4), सनी(13) और बेटी वैष्णवी के साथ रहते थे। बीती रात पूरा परिवार झोपड़ी में सो रहा था। रात करीब एक बजे एक डंपर अनियंत्रित होकर झोपड़ी में घुस गया। हादसे में उमेश, नीलम, गोलू और सनी की मौत हो गई। केवल वैष्णवी बची। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। डंपर चालक को गिरफ्तार किया। नीलम आठ माह की गर्भवती थीं। उनके भतीजे धरम सिंह ने एफआईआर दर्ज कराई है।

सीएमओ ने हापुड़ सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

दुर्गम खबर-हापुड़। हापुड़ के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार त्यागी ने शनिवार को हापुड़ की गढ़ रोड पर स्थित सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। जहां उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के वार्डों का निरीक्षण किया और मरीजों से बातचीत की और व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए। सीएमओ डॉक्टर सुनील कुमार त्यागी शनिवार को हापुड़ की सीएचसी पहुंचे और उन्होंने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने निरीक्षण के दौरान मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसके लिए उन्होंने वहां तैनात चिकित्सकों को निर्देश दिए। अस्पताल के वार्ड, ओपीडी रूम आदि का जायजा लिया और साफ-सफाई रखने के विशेष निर्देश दिए।

गुरु के सम्मान का पर्व है गुरु पूर्णिमा

रमेश सर्राफ धमोरा

गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु यंत्र की स्थापना करने से जीवनभर सौभाग्य में कमी नहीं होती है। हर कार्य पूरे होते हैं। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलती है। गुरु पूर्णिमा उन सभी आध्यात्मिक और अकादमिक गुरुजनों को समर्पित परम्परा है। जिन्होंने कर्म योग आधारित व्यक्तित्व विकास को प्रबुद्ध करने, बहुत कम अथवा बिना किसी मौद्रिक खर्चे के अपनी बुद्धिमता को साझा करने के लिए तैयार हों।

गुरु शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है और इसका गहन आध्यात्मिक अर्थ है। इसके दो अक्षरों गुरु में गु शब्द का अर्थ है अज्ञान। रु शब्द का अर्थ है आध्यात्मिक ज्ञान का तेज जो आध्यात्मिक अज्ञान का नाश करता है। संक्षेप में गुरु वे हैं जो मानव जाति के आध्यात्मिक अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाते हैं और उसे आध्यात्मिक अनुभूतियां और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं । गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरम्भ में आती है। इस दिन से चार महीने तक साधु-संत एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से भी सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी। इसलिए अध्ययन के लिए उपयुक्त माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तृप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है। वैसे ही गुरु-चरणों में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शान्ति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है।

गुरु पूर्णिमा गुरु व शिष्य की परंपरा के लिए विशेष उत्सव होता है। गुरु अपने ज्ञान से शिष्य को सही मार्ग पर ले जाते हैं। इसलिए गुरुओं के सम्मान में हर वर्ष यह पर्व मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु के अलावा भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की भी पूजा की जाती है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन महाभारत के रचयिता महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था। उनकी जन्मतिथि के उपलक्ष्य में पूजा की जाती है।

महान संत कबीरदास जी ने गुरु के महत्व को इस तरह बताया है-

गुरू गोविन्द दोऊ खड़े काके लागु पांय,
बलिहारी गुरू आपने गोविन्द दियो बताय।

अर्थात यदि भगवान और गुरु दोनों सामने खड़े हो तो गुरु के चरण पहले छूना चाहिये क्योंकि उसने ही ईश्वर का बोध करवाया है। गुरु का स्थान भगवान से भी ऊंचा है। प्रसिद्ध सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने चाणक्य को अपना गुरु बनाकर ही राज सिंहासन पाया था। इतिहास में हर महान राजा का कोई न कोई गुरु जरुर था। गुरु और शिष्य का रिश्ता बहुत मधुर होता है। प्राचीन भारत में आज की तरह स्कूल, कॉलेज नहीं होते थे। उस समय गुरुकुल प्रणाली द्वारा शिक्षा दी जाती थी। समाज के सभी वर्गों के बालक गुरुकुल जाकर शिक्षा प्राप्त करते थे। वो गुरुकुल (आश्रम) में ही रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे।

गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने अपने पहले सात शिष्यों सप्तऋषियों को सबसे पहले योग का ज्ञान प्रदान किया था। इस प्रकार आदियोगी शिव इस दिन आदि गुरु यानी पहले गुरु बने। सप्तऋषि इस ज्ञान को लेकर पूरी दुनिया में गए। आज भी धरती की हर आध्यात्मिक प्रक्रिया के मूल में आदियोगी द्वारा दिया गया ज्ञान ही है। गुरु साधक के अज्ञान को मिटाता है। ताकि वह अपने भीतर ही सृष्टि के स्रोत का अनुभव कर सके। पारंपरिक रूप से गुरु पूर्णिमा का दिन वह समय है जब साधक गुरु को अपना आभार अर्पित करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। योग साधना और ध्यान का अभ्यास करने के लिए गुरु पूर्णिमा को विशेष लाभ देने वाला दिन माना जाता है।

यह दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी है। वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे और उन्होंने चारों वेदों की भी रचना की थी। इस कारण उनका एक नाम वेद व्यास भी है। उन्हें आदिगुरु कहा जाता है और उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। भक्तिकाल के संत घीसादास का भी जन्म इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे।

गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। सिख धर्म में भी गुरु को भगवान माना जाता है। इस कारण गुरु पूर्णिमा सिख धर्म का भी अहम त्यौहार है। सिख धर्म केवल एक ईश्वर और अपने दस गुरुओं की वाणी को ही जीवन का वास्तविक सत्य मानता है।

आषाढ़ की पूर्णिमा को चुनने के पीछे गहरा अर्थ है कि गुरु तो पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह हैं। जो पूर्ण प्रकाशमान हैं और शिष्य आषाढ़ के बादलों की तरह। आषाढ़ में चंद्रमा बादलों से घिरा रहता है जैसे बादल रूपी शिष्यों से गुरु घिरे हों। गुरु अंधेरे में भी चांद की तरह चमक सके। उस अंधेरे से घिरे वातावरण में भी प्रकाश जगा सके तो ही गुरु पद की श्रेष्ठता है। इसलिए आषाढ़ की पूर्णिमा का महत्व है।

गुरु का आशीर्वाद सबके लिए कल्याणकारी व ज्ञानवर्धक होता है। इसलिए इस दिन गुरु पूजन के उपरांत गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। आज के भागदौड़ भरे भौतिकतावादी समाज में हमें गुरु की बहुत अधिक जरूरत होती है। गुरु का महत्व सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि व्यापक अर्थ में देखने को मिलता है। अब तो आध्यात्मिक शांति के लिए अनेक लोग किसी न किसी गुरु की शरण में चले जाते है। इसलिए हर भटके हुए व्यक्ति को सही मार्ग दिखाने का काम गुरु की कर सकता है। इसलिए गुरु का अर्थ बहुत व्यापक और बड़ा है। हम सभी को अपने गुरु जनों को कोटि-कोटि प्रणाम करना चाहिये। उन्होंने जो ज्ञान हमें दिया उनका मूल्य कभी भी नहीं चुकाया जा सकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रति वर्ष गुरु पूर्णिमा उत्सव अपनी सभी शाखाओं पर मनाता है। संघ के छह उत्सवों में से एक गुरु पूर्णिमा भी है। गुरु पूर्णिमा के दिन देश में संघ की सभी शाखाओं पर स्वयंसेवक इस उत्सव को मनाएंगे। संघ के स्वयंसेवक किसी व्यक्ति को नहीं बल्कि भगवा ध्वज को अपना गुरु मानते हैं। उस दिन भगवा ध्वज की पूजा करने के साथ-साथ गुरु के प्रति जो भी बनता है समर्पण भी करते हैं। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने स्वयंसेवकों के लिए गुरु पूजा प्रारंभ की। यह गुरु कोई व्यक्ति नहीं बल्कि भगवा ध्वज है। संघ तत्व पूजा करता है व्यक्ति पूजा नहीं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने गुरु के स्थान पर भगवाध्वज को स्थापित किया है। भगवाध्वज त्याग, समर्पण का प्रतीक है। स्वयं जलते हुए सारे विश्व को प्रकाश देने वाले सूर्य के रंग का प्रतीक है। संपूर्ण जीवों के शाश्वत सुख के लिए समर्पण करने वाले साधु, संत भगवा वस्त्र ही पहनते हैं। इसलिए भगवा, केसरिया त्याग का प्रतीक है।

नेपाल में इसे गुहा पूर्णिमा के रूप में मनाते है। छात्र अपने गुरु को व्यंजन, फूल मालाएं, विशेष रूप से बनाई गयी टोपी पहनाकर गुरु का स्वागत करते है। स्कूल में गुरु की मेहनत को प्रदर्शित करने के लिए मेलों का आयोजन किया जाता है। इस दिवस को मनाकर गुरु-शिष्य का रिश्ता और भी मजबूत हो जाता है।

गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु यंत्र की स्थापना करने से जीवनभर सौभाग्य में कमी नहीं होती है। हर कार्य पूरे होते हैं। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलती है। गुरु पूर्णिमा उन सभी आध्यात्मिक और अकादमिक गुरुजनों को समर्पित परम्परा है। जिन्होंने कर्म योग आधारित व्यक्तित्व विकास को प्रबुद्ध करने, बहुत कम अथवा बिना किसी मौद्रिक खर्चे के अपनी बुद्धिमता को साझा करने के लिए तैयार हों। गुरु पूर्णिमा को भारत, नेपाल और भूटान में हिन्दू, जैन और बोद्ध धर्म के अनुयायी उत्सव के रूप में मनाते हैं। महात्मा बुद्ध ने इस दिन उत्तर प्रदेश के सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया था।

संपादकीय

रूकने चाहिए रेल हादसे

एक बार फिर रेल हादसे ने देशभर में यात्रियों के लिए चिंता पैदा की है। उत्तर प्रदेश के गोंड़ा में चंडीगढ़-ड़िब्रूगढ़ एक्सप्रेस की 15 बोगियां बेपटरी हो जाने की घटना में वैसे तो 3 यात्रियों की जान गई, मगर इसने रेलवे की व्यवस्था में व्याप्त कमियों और लापरवाहियों को जरूर जिंदा कर दिया है। हालांकि, हादसा मानवीय भूल की वजह से हुआ है या इसके पीछे कोई साजिश है-जैसा कि इंजन के ड्राइवर ने कहा कि हादसे के पहले जोर का विस्फोट हुआ था- यह तो जांच के बाद ही मालूम चल पाएगी, किंतु हाल के वर्षों में रेल की यात्रा थोड़ी ड़रावनी जरूर हो गई है। इससे पहले पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जिसमें 9 यात्रियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था और 40 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए थे। देश में पहले भी रेल हादसे हुए हैं और कइयों की जान गई है, मगर हाल के वर्षों में दुर्घटना का स्वरूप बदल गया है। निःसंदेह मोदी सरकार के 10 वर्षों के दौरान रेलवे ने तरक्की की नई इबारत लिखी है, किंतु कई मामलों में अब भी रेल महकमे में सुधार की जरूरत है। खासकर संरक्षा और सुरक्षा के मसले पर सरकार को ज्यादा गंभीर और संवेदनशील होना पड़ेगा। स्वचालित सिगनलिंग प्रणाली भी सवालों के घेरे में है। इसके अलावा पायलट और लोको पायलटों को मिलने वाली सुविधा अपर्याप्त है। उन्हें आराम नहीं मिल पाता है और इंजन में भी उनके लिए सामान्य सुविधा तक की कमी दिखती है। इसी तरह संचालन प्रबंधन में कई तरह की खामियां और कमी के अलावा महत्त्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों की कमी और कवच प्रणाली को लागू नहीं करने के फैसले से मुंह नहीं चुराया जा सकता है। वैसे भी जब ऐसे हादसे होते हैं तो इसका खामियाजा यात्रियों की जान जाने के अलावा रेलवे की संपत्ति को हुए नुकसान से भी जोड़कर देखने की जरूरत है। सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय रेल में संरक्षा श्रेणी के स्वीकृत कुल करीब 10 लाख पदों में से डेढ़ लाख से अधिक पद खाली हैं। हालांकि रेलवे ने पिछले 10 वर्षों में इस मामले में महत्त्वपूर्ण निवेश करने के साथ कई संरचनात्मक और प्रणालीगत सुधार भी किए हैं, जिनका सुरक्षित परिचालन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसके बावजूद अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। फिलहाल तो जांच कमिटी की रिपोर्ट आने का इंतजार किया जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है।

जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा।

वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

याद रखना, भूल ना जाना वतन पर मरने वालों को

सोनम लववंशी

कुछ दिन बाद 26 जुलाई को सारा देश 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाएगा। उस युद्ध में भारतीय सेना ने सभी बाधाओं को पार करते हुए भारी बलिदान देते हुए भी कारगिल क्षेत्र के बर्फीले पहाड़ों से पाकिस्तान के घुसपैठियों को खदेड़ दिया था। यह भारत का पहला टेलीविजन युद्ध भी था जिसके दौरान टोलोलिंग और टाइगर हिल जैसे अज्ञात निर्जन शिखर सारे देश की जुबान पर आ गए थे। कारगिल युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई 1999 के बीच हुआ था। परवेज मुशर्रफ की सरपरस्ती में पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने दावा किया कि लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेजों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हो गया था कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी। भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाली जगहों पर हमला किया और धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय सहयोग से पाकिस्तान को सीमापार घुसपैठ को छोड़, अपने वतन में वापस जाने को मजबूर किया।

कारगिल युद्ध ऊंचाई वाले इलाके पर हुआ था और भारतीय सेनाओं को पहाड़ियों के नीचे से लड़ने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। परमाणु बम बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ यह पहला सशस्त्र संघर्ष था। अंततः 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इसलिए 26 जुलाई हर वर्ष 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उस करीब दो महीने तक चले युद्ध में भारतीय सेना ने लगभग 527 से अधिक वीर योद्धाओं को खोया था वहीं 1300 से ज्यादा घायल हुए थे। युद्ध में 2700 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे।

उन शहीदों के नाम कोई भी राजधानी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में जाकर देख सकता हैं। उस जंग में दुश्मन के दांत खट्टे करने वाले शहीद कैप्टन अनुज नैयर की शौर्यगाथा को किसने नहीं सुना? राजधानी के दिल्ली पब्लिक स्कूल, धौला कुआं के छात्र रहे कैप्टन अनुज नैयर जाट रेजिमेंट में थे। कैप्टन अनुज नायर ने कारगिल जंग में टाइगर हिल्स सेक्टर में अपने साथियों के घायल होने के बाद भी मोर्चा सम्भाले रखा था। उन्होंने दुश्मनों को धूल में मिलाकर इस सामरिक चोटी 'टाइगर हिल्स' को शत्रु के कब्जे से मुक्त करवाया था। अब बात करें कैप्टन हनीफुद्दीन की। कैप्टन हनीफुद्दीन राजपूताना राइफल्स के अफसर थे। कैप्टन हनीफुद्दीन ने कारगिल की जंग के समय तुरतुक में शहादत हासिल की थी। कारगिल के तुरतुक की ऊंची बर्फ से ढंकी पहाड़ियों पर बैठे दुश्मन को मार गिराने के लिए हनीफुद्दीन ऊपर से हो रहे गोलाबारी के बावजूद आगे बढ़ते रहे थे। उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 18 में कैप्टन विजयंत थापर मार्ग है। कैप्टन थापर कारगिल युद्ध में देश के लिए कुबार्नी देने वाले सबसे कम उम्र के जांबाज थे। जून 1999 में कैप्टन विजयंत थापर ने तोलोनिंग पहाड़ी पर विजय हासिल की और भारत का तिरंगा लहराया। ये तो छोटी सी शौर्य गाथाएं हैं हमारे कुछ वीरों की। ये और बाकी तमाम वीरों को इसलिए रणभूमि में अपने प्राणों का बलिदान देना पड़ा, क्योंकि परवेज मुशर्रफ पर एक तरह से पागलपन सवार था। अंततः उसका उसे नुकसान ही हुआ। आजादी के बाद देश की सेनाओं ने चीन के खिलाफ 1962 में और पाकिस्तान के खिलाफ 1948, 1965, 1975 और 1999 में जंग लड़ी। ये सारी लड़ाइयां हम पर थोपी गईं। हमने तो कभी आक्रमण किया ही नहीं। 1987 से 19990 तक श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान भारतीय शांति सेना के शौर्य को भी नहीं भुलाया जा सकता है। 1948 में 1,110 जवान, 1962 में सबसे ज्यादा 3,250 जवान, 1995 में 3,64 जवान, श्रीलंका में 1,157 जवान और 1999 में 522 जवान शहीद हुए। हमारी सेना में ऐसे जवानों की भी कमी नहीं है जो अलगाववादियों को पस्त करते हुए शहीद हुए।

इस बीच, पिछले सप्ताह जम्मू-कश्मीर में आतंकियों से लड़ते हुए शहीद पांचों जवानों के शव विगत मंगलवार को देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट लाए गए। उत्तराखंड की समृद्ध सैन्य परंपरा को अपने अदम्य साहस और पराक्रम से गौरवान्वित करने वाले अमर शहीदों की शहादत को कोटिशः नमन और अश्रुपूरित श्रद्धांजलि। इन शहीदों में जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) समेत पांच जवान शहीद और पांच अन्य घायल हो गए थे। शहीद होने वाले जवानों में सूबेदार आनंद सिंह, हवलदार कमल सिंह, राइफलमैन अनुज नेगी, राइफलमैन आदर्श नेगी, नायक विनोद सिंह शामिल हैं।

गुस्ताखी माफ, कभी-कभी तो लगता है कि रणबांकुरों को लेकर समूचे भारतीय समाज का रुख ठंडा ही रहा है। इससे अधिक निराशाजनक बात क्या हो सकती है कि पाठ्यपुस्तकों में उन युद्धों पर अलग से अध्याय तक नहीं हैं, जिनमें हमारे जवानों ने जान की बाजी लगा दी। हमारे बच्चे आज भी मुगलों और अंग्रेजों के इतिहास ही पढ़ रहे हैं।

हां, हम गणतंत्र दिवस और स्वाधीनता दिवस के मौके पर जवानों को याद करने की रस्म अदायगी जरूर कर लेते हैं। कुछ समय पहले खबर आई थी कि पंजाब के लुधियाना शहर के मुख्य चौराहे पर 1971 की जंग के नायक शहीद फलाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेंखो की आदमकद मूर्ति के नीचे लगी पट्टिका को ही उखाड़ दिया गया। लुधियाना सेखों का गृहनगर था। उन्हें अदम्य साहस और शौर्य के लिए मरणोप्रांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। यह सिलसिला यहीं नहीं थम जाता। मोदीनगर (उत्तर प्रदेश) में 1965 युद्ध के नायक शहीद मेजर आशा राम त्यागी की मूर्ति देखकर तो किसी भी सच्चे भारतीय का कलेजा फटने

लगेगा। इस तरह से दिल्ली सरकार ने भी शायद ही कभी कोशिश की हो कि 1971 की जंग के नायक अरुण खेत्रपाल के नाम पर किसी सड़क या अन्य स्थान का नामकरण किया जाए। मुगल और अंग्रेज शासकों के नाम पर सड़कों की भरमार है।

कौन कहता है कि दिल्ली बे-दिल है। ये अपने शूरवीरों को याद रखती है। अब बातें-याद करें मेजर (डॉ.) अश्वनी कान्वा की। वे भारतीय शांति रक्षा सेना (आईपीकेएफ) के साथ 1987 में जाफना, श्रीलंका गए थे। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के स्टुडेंट रहे थे मेजर अश्वनी कान्वा। हमेशा टॉपर रहे। मेजर कान्वा 3 नवंबर, 1987 को अपने कैंप में घायल भारतीय सैनिकों के इलाज में जुटे हुए थे। उस मनहूस दिन शाम के वक्त उन्हें पता चला कि हमारे कुछ जवानों पर कैंप के बाहर ही हमला हो गया है। वे फौरन वहां पहुंचे। वे जब उन्हें फर्स्ट एड दे रहे थे तब छुपकर बैठे लिट्टे के आतंवादियों ने उन पर गोलियां बरसा दीं। अफसोस कि दूसरों का इलाज करने वाले डॉ. मेजर कान्वा को फर्स्ट एड देना वाला कोई नहीं था। बेहद हैंडसम मेजर अश्वनी की शादी के लिए लड़की ढूंढी जा रही थी जब वे शहीद हुए। वे तब 28 साल के थे। आपको इस तरह के न जाने कितने ही उदाहरण मिल जाएंगे। जरूरत है कि वतन के लिए अपनी जान का नजराना देने वालों को सदा याद रखे भारत।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

मुद्दा : शिक्षक शिक्षा के बदलते परिदृश्य

प्रो. सरोज शर्मा

वर्तमान शिक्षा के बदलते स्वरूप में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की गुणवत्ता जरूरी है जो हमारे देश की भावी पीढ़ी को नया आकार देगी और शिक्षकों की मजबूत पहचान सुनिश्चित करेगी। इसके लिए हमें अपने शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम को नये परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करने की जरूरत है। इस दिशा में एनईपी-2020 ने शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के लिए एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता को उचित रूप से मान्यता दी है, जिसमें 21वीं सदी के सीखने के कौशल एवं सामग्री के साथ-साथ शिक्षा शास्त्र में उच्च गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण भी शामिल होगा और जो भावी शिक्षकों को बदलते समय की गति के साथ आगे ले जाएगा।

हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली ने हमेशा व्यक्ति के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। इसलिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों को गौरवशाली भारतीय संस्कृति और विरासत को दृष्टिगत करते हुए नया स्वरूप दिया जाना चाहिए। शिक्षा सामूहिक सामाजिक प्रयास है जो सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक नागरिक गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए अनुशासित होकर अपनी पूर्ण कार्यक्षमता के साथ समाज का महत्त्वपूर्ण सदस्य बने। 21वीं सदी में हम जब वैश्विक समाज में रह रहे हैं तब शिक्षकों के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण के बहुमुखी कार्यक्रमों की जरूरत है। शिक्षा पाठ्यक्रम को इस तरह से संशोधित करने की भी आवश्यकता है कि वह समावेशी हो और उसमें आजीवन सीखने, शिक्षार्थियों के विकास और अनुप्रयोगों पर जोर हो। लोकतांत्रिक सिद्धांतों और मूल्यों पर भी बल दिया जाना चाहिए और भावी शिक्षकों के बीच राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने की दिशा में प्रयास होने चाहिए। पाठ्यक्रम को समाज की लगातार बदलती जरूरतों, नैतिक मानदंडों, प्रौद्योगिकी उन्नति और प्रसार एवं वर्तमान संदर्भ में दूरस्थ-वर्चुअल सीखने की पद्वति का भी संज्ञान लेना चाहिए। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद संपूर्ण भारत में अध्यापक शिक्षा का नियामक और पथप्रदर्शक है। आज उसकी भूमिका और भी बढ़ती जा रही है। इसने कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए भी हैं। इनमें से 4-वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) महत्त्वपूर्ण कदम है। एक ओर चार वर्षीय विशिष्ट पाठ्यचर्या का निर्माण किया गया है तो दूसरी ओर कुछ चयनित संस्थानों में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा जहां नवीन आवश्यकताओं के अनुसार आधारभूत संरचना और मानव संसाधन उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी) अध्यापकों की गुणवत्ता का एक आधार प्रस्तुत करता है। इससे 21वीं सदी में अध्यापकों की कार्यदक्षता निर्धारित होगी ताकि बदलती तकनीक से वे स्वयं को कुशल बनाते रहे।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद का एक और अभिनव प्रयास राष्ट्रीय मेंटरिंग मिशन (एनएमएम) है। यह शिक्षकों को सलाह देने, ज्ञान के औपचारिक-अनौपचारिक प्रसार के साथ ही शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल के विकास की दिशा में कार्य करता है। अनेक सरकारी नवाचारों को लागू करने के लिए ब्रिज कोर्स का निर्माण सरल और प्रभावी कदम होगा। जैसे-शारीरिक शिक्षा और योग शिक्षण। इसी प्रकार समावेशी शिक्षा पर भी पाठ्यक्रम जरूरी है। हम अपने समाज में बड़ी संख्या ऐसे बच्चों की पाते हैं, जो किसी न किसी तरह की शारीरिक या मानसिक अक्षमता से ग्रसित होते हैं। उनकी आवश्यकताएं बाकी बच्चों से अलग होती हैं। यही कारण है कि वे कहीं न कहीं शिक्षण की मुख्यधारा से अलग हो जाते हैं। अध्ययन- शिक्षण प्रक्रिया में उनका समावेशन अत्यावश्यक है। शिक्षकों में यह कौशल विकसित करना जरूरी है।

भारत से अतीत में ज्ञान की कई धाराएं प्रवाहित हुई, परंतु कालांतर में कहीं खो गई। शिक्षक का अत्यंत महत्त्वपूर्ण दायित्व उस समर्थ और श्रेष्ठ भारत से विद्यार्थियों का परिचय कराना भी है। अतः एक ओर जहां शिक्षण- अध्यापन सामग्री के पुनरीक्षण के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेशन की आवश्यकता है, वहीं शिक्षकों को भी इस दिशा में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। इसमें भारत के दर्शन, चिकित्सा, गणित, खगोल शास्त्र, धातु विज्ञान,

जीवन मूल्यों आदि जैसे विविध ज्ञान क्षेत्र से परिचय ब्रिज कोर्स के माध्यम से हो सकता है। सूचना तकनीक आज ज्ञान के प्रसार और शिक्षण का अत्यंत प्रभावी माध्यम है। यह शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच की दूरी को भी कम कर देती है। बदलते परिवेश और और बदलती तकनीक के साथ शिक्षकों का सूचना प्रौद्योगिकी में पारंगत होना समय की आवश्यकता है। तकनीकी विकास ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी परिष्कृत प्रौद्योगिकी को भी संभव बना दिया है, जो ज्ञान का एक नया संसार है। लेकिन हर प्रौद्योगिकी के साथ उसके न्यायपूर्ण उपयोग की आवश्यकता होती है ताकि संतुलन बना रहे। शिक्षक संतुलन बनाए रखने का महत्त्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। शिक्षक शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग भविष्य के शिक्षकों के साथ भावी विद्यार्थियों को भी सशक्त बनाएगा।

स्वामी दुर्गम खबर ग्रुप के लिए मुद्रक प्रकाशक ज्योति शर्मा द्वारा मुद्दा हाउस सी ब्लॉक बरात घर के सामने चौरा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतम बुध नगर से मुद्रित एवं ए-28 द्वितीय तल कालिंदी कॉलोनी नई दिल्ली से प्रकाशित संपादक राहुल गुप्ता RNI-No. DELHIN/2008/2623 E MAIL : advtdurgamkhabar@gmail.com, Mob no. +919991351706, 7011031751 किसी भी विवाद की स्थिति में पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई

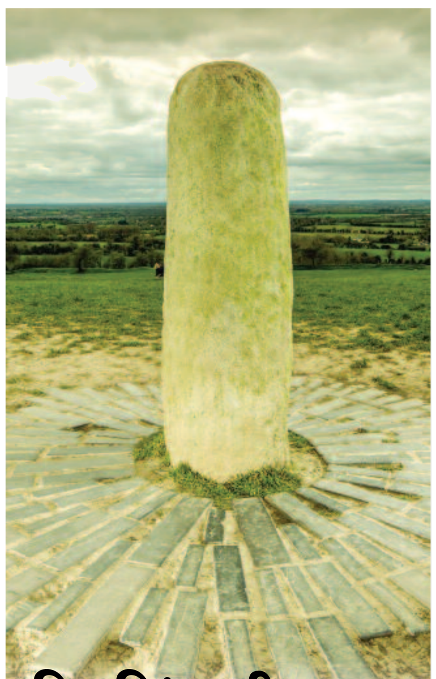

शिवलिंग की तरह दिखता है आयरलैंड का 'स्टोन ऑफ डेस्टिनी'

आयरलैंड में एक खास पत्थर है जिसे लोग कई बार शिवलिंग समझने लगते हैं। सोशल मीडिया पर भी खूब इसके चर्चे थे, लेकिन वास्तव में यह खास आकार का शिवलिंग नहीं, बल्कि आयरलैंड का 'स्टोन ऑफ डेस्टिनी' है। इसे बोलने वाला पत्थर भी कहा जाता है। यह लिआ फेइल पत्थर आयरलैंड के काउंटी मीथ में तारा पहाड़ी पर स्थित है। वास्तव में यह वहां के राजाओं के लिए राज्याभिषेक पत्थर के रूप में पहचाना जाता है। इसकी ऊंचाई तीन फीट तीन इंच है। इस पत्थर को लेकर मान्यताएं है कि जब आयरलैंड के राजा ने इस पर पैर रखा था, तो खुशी से यह पत्थर दहाड़ने लगा था।

बेहद खूबसूरत है नीदरलैंड का 36 मीटर ऊंचा पिरामिड, अनूठी है ज्यामिति आकृति

नीदरलैंड का ये पिरामिड अपनी अनोखी संरचना के लिए जाना जाता है। इसकी ज्यामिती आकृति बेहद खूबसूरत है। इस पिरामिड को साल 1804 में तैयार किया गया था। इस पिरामिड को फ्रेंच जनरल ने तैयार कराया था। यह फ्रेंच जनरल नेपोलियन बोनापार्ट की सेना का हिस्सा रहा है। यह पिरामिड मिस्त्र में गीजा के पिरामिड से प्रभावित है। इस पिरामिड की ऊंचाई 36 मीटर है, जो कि अब नीदरलैंड की राष्ट्रीय धरोहर बन गया है।

अगस्त में शुरू होगा बर्निंग मैन फेस्टिवल

बेहद अनोखा है रेगिस्तान में इसके जश्न का तरीका

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं. जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हें एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है.

बड़ी मेहनत से जी-जान लगाकर, अपना समय देकर, अपनी रचनात्मकता का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए आपने कोई चीज तैयार की हो, तो आप उसे कितना सहेज कर रखेंगे ना! लेकिन क्या आप अपनी ही उस खूबसूरत कलाकृति को खुद आग लगाने की हिम्मत कर सकते हैं। नहीं ना, लेकिन अपनी कलाकृति को आग लगाने का एक फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में मनाया जाता है। इस फेस्टिवल को बर्निंग मैन फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है। रेगिस्तान में होने वाला यह अनोखा फेस्टिवल अगस्त के आखिरी रविवार से शुरू होता है और सितंबर के पहले सोमवार तक चलता है। इसमें लोग खुद कई तरह की कला से जुड़ी चीज़ें तैयार करते हैं। एक तरह से अपना एक शहर बसाते हैं। नाच-गाना होता है और इन कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगती है। लेकिन फेस्टिवल के आखिरी दिन खुद की बनाई कलाकृतियों को वे खुद जला देते हैं। यह काम आसान नहीं है लेकिन इस फेस्टिवल की फिलॉसफी ही यही है कि खुद की रचना को जलाने से अहंकार भी राख हो जाता है। 1986 में सेन फ्रांसिस्को के बेकर बीच पर पहली बार ये फेस्टिवल आयोजित किया गया था और आज तक इसका आयोजन हो रहा है। कला और संगीत के इस आयोजन में दस हजार से ज्यादा लोग इकट्ठा होते हैं।

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं. जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हें एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवादा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है. इस फेस्टिवल का नाम बर्निंग मैन फेस्टिवल है, जिसमें हर साल हजारों लोग पहुंचते हैं. इस बार इसमें करीब 70 हजार लोगों ने शिरकत ली. यहां आने वाले लोग अपने हिसाब से पहले शहर बनाते हैं और फिर फेस्टिवल के अंत में वो खुद अपने हाथों ही सबकुछ जला देते हैं.

साल 1986 से शुरू किए गए इस फेस्टिवल में पहली बार सिर्फ 80 लोग ही आए थे. लेकिन बाद में ये इतना पॉपुलर हुआ कि हर साल ये संख्या बढ़ती ही गई. यहां पर लोग आते हैं और खुद का शहर बसाते हैं. वो कई कलात्मक वाहन और दूसरी कला से जुड़ी चीजें बनाते हैं. इस दौरान नाचना-गाना भी होता है और कला की प्रदर्शनी भी होती है.

फेस्टिवल के आखिरी दिन ये लोग खुद की बनाई कला को जला देते हैं. ऐसा वो यहां की फिलॉस्फी के कारण करते हैं, जिसमें माना जाता है कि खुद ही अपनी रचना को जलाकर अहं भी राख हो जाता है. यहां लोगों को अपने तरीके से जीने की आजादी दी जाती है. उन पर किसी भी तरह की रोक नहीं लगाई जाती है, ताकि वो सही मायने में आजादी का मतलब समझ सकें.

इस फेस्टिवल का सिर्फ एक नियम भी है, जो कम हैरान करने वाला नहीं है. यहां पर ऐसी किसी भी चीज का उपयोग नहीं कर सकते हैं, जो पर्यावरण को नुकसाना पहुंचाए. इस नियम के कारण ही यहां पर प्लास्टिक के सामान से लेकर फ्यूल वाहन तक बैन हैं. आप यहां पर सिर्फ साइकिल या पैदल ही घूम सकते हैं.

एक व्यक्ति पर होता है 65000 रुपए का खर्च

फेस्टिवल में कला और संगीत को जगह दी गई है। हर कोई वह काम करता है, जो उसका फेवरेट होता है। अमेरिका में हर साल होने वाले इस त्योहार में हजारों लोग शामिल होते हैं और कई चीजों से अलग-अलग आकृतियां बनाकर दुनिया को दिखाते हैं। यह जरूरी नहीं कि यह आकृतियां आकर्षक हो इसलिए ज्यादातर आकृतियां अजीब ही होती हैं। इतना ही नहीं इस फेस्टिवल में लोग अलग और अजीब वेशभूषा भी धारण करते हैं। इस फेस्टिवल में कोई नियम नहीं है कि आप खुद को कैसे प्रेजेंट करते हैं। इस त्योहार को संस्कृति में लेने देने वाला पर्व भी कहते हैं। यहां पर खुले मैदान में दूर से दिखने वाली आकर्षक आकृति लकड़ी से बनाई जाती है, जिसे अंतिम दिन जला दिया जाता है। इस तरह पर्व समाप्त हो जाता है। इसे फेस्टिवल ऑफ फायर भी कहते हैं।

फेस्टिवल के लिए अस्थायी तौर पर ब्लैक रॉक सिटी बनती है। 25 हजार रुपए का टिकट खरीदकर उसके सदस्य बनते हैं। पिछले साल 65 हजार लोग वहां पहुंचे थे। एक व्यक्ति का खर्च तकरीबन 65 हजार रुपए होता है। तकरीबन 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में हजारों लोग अपनी धुन में मग्न रहते हैं। हजारों लोग रेगिस्तान में नाचने, गाने और अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा होते हैं।

तीन दोस्तों ने की थी शुरुआत

द बर्निंग मैन फेस्टिवल की शुरुआत साल 1986 में कलाकार लैरी हार्वे ने मित्र जॉन ला और जैरी जेम्स के साथ सैन फ्रांसिस्को के बेकर तट पर की थी। उस समय 9 फीट ऊंचा लकड़ी का पुतला जलाया गया था और तभी से पुतले जलाने की परंपरा है। इस समय यह फेस्टिवल अमेरिका के अलावा दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, स्पेन, स्वीडन, इजराइल, जापान, दक्षिण कोरिया और कनाडा में भी मनाया जाता है।

कहाँ है ब्लैक रॉक रेगिस्तान

यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (यूएसए) के नेवादा राज्य में स्थित .ब्लैक रॉक डेजर्ट. एक अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र है। -21 जून 1986 से इस रेगिस्तान में बर्निंग मैन-फैस्टिवल मनाया जाता है। यहां दुनियाभर से आए लोग सेलफोन, इंटरनेट, जैसी अत्याधुनिक सुख-सुविधाओं से दूर रहकर पारम्परिक नाच-गाने और गीत संगीत के बीच एक सप्ताह गुजारते हैं।

दुनिया के सबसे बड़ा चूहा कैपीबारा

कैपीबारा एक जिज्ञासु जानवर है। हालाँकि वे आपकी आम सड़क या रसोई की अलमारी में रहने वाले जानवर की तरह नहीं दिखते, लेकिन दक्षिण अमेरिका के ये मूल निवासी दुनिया के सबसे बड़े कृंतक हैं। भले ही वे विचित्र दिखते हों, कैपीबारा जल्दी ही इंटरनेट के छद्म सितारे बन गए हैं - मुख्य रूप से इस तथ्य के कारण कि वे बड़े गिनी पिग की तरह दिखते हैं। कैवी परिवार (कैविडे) से संबंधित, उनके सबसे करीबी रिश्तेदार वास्तव में गिनी पिग और रॉक कैवी हैं।

कैपीबारा को हमेशा जल निकायों के पास पाया जा सकता है, क्योंकि उनकी अर्ध-जलीय जीवनशैली होती है। अमेज़ॅन नदी के किनारे, ये गंदे पानी कैपीबारा के लिए कई खतरे पैदा करते हैं, लेकिन पानी के किनारे जीवन अभी भी शिविर लगाने के लिए एकदम सही जगह है - जिससे उन्हें जल्दी से पीछे हटने और एनाकोंडा, जंगली बिल्लियों और यहां तक कि चील जैसे शिकारियों से बचने का मौका मिलता है। जालदार पैर उन्हें पानी में चलने में मदद करते हैं, और उनके चेहरे की विशेषताएं उनके बड़े सिर के ऊपर की ओर स्थित होती हैं, जिससे उन्हें तैरते समय देखने और सांस लेने में मदद मिलती है।

वे पानी में भी सो सकते हैं

कैपीबारा एक बार में 5 मिनट तक गोता लगा सकते हैं और पानी के अंदर रह सकते हैं - अक्सर पानी में सो जाते हैं और अपनी नाक किनारे पर रखते हैं। नदियों, मैंग्रोव और दलदलों के किनारे झपकी लेने से उन्हें ठंडा रहने में मदद मिलती है।

ज़मीन पर भी बेहद फुर्तीले होते हैं

हालांकि कैपीबारा को पानी के किनारे घर जैसा महसूस होता है, लेकिन वे निश्चित रूप से जमीन पर अपना रास्ता जानते हैं, और 35 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति तक पहुंचने में सक्षम हैं - जो घोड़े के बराबर है!

उनके दांत लगातार बढ़ते रहते हैं

कठोर जलीय पौधों और घासों को खाने से होने वाले लगातार घिसाव की भरपाई के लिए उनके मोती जैसे सफ़ेद दांत बढ़ते रहते हैं! खरगोशों की तरह, उनके ऊँचे मुकुट वाले, संकरे किनारे वाले दाँत उनके भोजन को काटने के लिए पूरी तरह से अनुकूल होते हैं। अक्सर प्रकृति के ओटोमन या चलती कुर्सियों के रूप में संदर्भित, ये दोस्ताना जीव कभी भी किसी अन्य जानवर से सवारी साझा करने के अनुरोध को अस्वीकार नहीं करते हैं। पक्षियों की कई प्रजातियाँ, बंदर, खरगोश और यहाँ तक कि अन्य कैपीबारा को एक बहुत ही विनम्र कैपीबारा की पीठ पर बैठे, बैठे या लेटे हुए देखा गया है।

वे अत्यधिक सामाजिक प्राणी हैं

मिलनसार कैपीबारा लगभग 10-20 के बड़े झुंडों के बीच रहना पसंद करता है, और अक्सर अन्य जानवरों के साथ घुलमिल कर देखा जाता है। 8 ये उदाहरण अक्सर सहजीवी संबंध के प्रदर्शन होते हैं, जिसके तहत एक जानवर, जैसे कि एक पक्षी, कीड़ों के एक मुफ़्त स्मोर्गसबॉर्ड का आनंद ले सकता है, जबकि कैपीबारा आराम से बैठकर अपने मुफ़्त संवारने के सत्र का आनंद लेता है। उनका अविश्वसनीय रूप से सामाजिक स्वभाव उन्हें शिकारियों से बचाने और संभोग की संभावनाओं को बेहतर बनाने में भी मदद करता है।

कैपीबारा शाकाहारी होते हैं

ये शाकाहारी जलीय पौधे, घास, छाल, कंद और गन्ना खाते हैं। और यद्यपि वे जन्म के एक ही सप्ताह में अपनी हरी सब्जियाँ खाने में सक्षम होते हैं, वे अपने जीवन के पहले 16 सप्ताह तक दूध पीते हैं - समूह में किसी भी माँ से बिना किसी भेदभाव के दूध पीते हैं।

वयस्क मनुष्य के बराबर होता है वजन

लगभग 50 किलोग्राम के औसत वजन के साथ, ये बैरल के आकार के स्तनधारी निश्चित रूप से कोई फील्ड चूहे नहीं हैं - इनका वजन 35 से 70 किलोग्राम के बीच होता है। हालाँकि मादा कैपीबारा अपने नर समकक्षों की तुलना में थोड़ी भारी होती हैं।

कावड़ यात्रा के दौरान कावड़ियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन कृत संकल्पित

डीएम के निर्देश पर कावड़ यात्रा मार्गो को संबंधित विभागों द्वारा किया जा रहा है सुदृढ़

दुर्गम खबर-गौतमबुद्ध नगर : उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर कावड़ यात्रा के दौरान कावड़ियों को कावड़ मार्गो में सभी मूलभूत सुविधाएं बेहतर ढंग से प्राप्त हो सके, इसके लिए जिला प्रशासन कृत संकल्पित हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में संबंधित प्राधिकरण, उद्यान विभाग, विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा युद्ध स्तर पर अपनी अपनी तैयारी को अंतिम रूप प्रदान किया जा रहा है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर प्राधिकरण एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा कावड़ मार्गों को गड्ढा मुक्त करने, प्रकाश व्यवस्था, मार्गो से पेड़ों की टहनियां हटाने तथा श्रद्धालुओं हेतु पानी, पीने योग्य पानी, अस्थाई शौचालय, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी कैमरा तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने का काम किया जा रहा है, ताकि कावड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वृहद स्तर पर अभियान चलाकर कावड़ मार्ग पर बिजली के खभों, तारो एवं प्रकाश व्यवस्था की जांच कर ली जाए, यदि कोई भी खामी संज्ञान में आती है तो उसको तत्काल दुरुस्त किया जाए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भी कावड़ मार्गों पर मेडिकल कैंप की सुविधा हेतु निर्देशित किया गया है। कावड़ यात्रा के दौरान आम जनमानस को यातायात को लेकर कोई परेशानी ना हो, इसके लिए भी रूट चार्ट तैयार कर जारी किया जाएगा और कावड़ मार्गो पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की तैनाती भी रहेगी, ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो। जिलाधिकारी ने कहा कि कावड़ यात्रा के दौरान कावड़ियों के ठहरने एवं सुगम आवागवन हेतु सभी समुचित व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जा रही हैं, कावड़ियों को बेहतर सुविधा प्राप्त हो इसके लिए जिला प्रशासन कृत संकल्पित है।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर नितिन मदान ने बताया कि नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा सिविल, विद्युत, उद्यान एवं जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के संयुक्त टीम द्वारा नोएडा में स्थित कावड़ यात्रा मार्ग का संयुक्त निरीक्षण कर स्थल पर विद्यमान अव्यवस्थाओं का जायजा लिया गया एवं कमियों का तत्काल निराकरण कराया गया तथा वर्तमान में भी आवश्यक अनुरक्षण कार्य किये जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर समिति के प्रतिनिधिगण भी प्राधिकरण की टीम के साथ उपस्थित रहे तथा प्राधिकरण द्वारा की गई कार्रवाई पर समिति के प्रतिनिधियों द्वारा संतोष प्रकट किया गया। नोएडा प्राधिकरण द्वारा कावड़ यात्रा मार्ग में स्थित पेड़ों की छंटाई कराई जा रही है। कावड़ यात्रा मार्ग में एवं शिविरों के आसपास पर्याप्त मात्रा में स्ट्रीट लाइट लगा दिए गए हैं साथ ही यथावश्यक सीसीटीवी भी लगाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट पोल्स एवं बिजली के पोल्स पर जन सुरक्षा के दृष्टिगत पॉलिथीन लगा दी गई है, जिससे कोई दुर्घटना न घटित हो। उन्होंने बताया नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में 27 जुलाई 2024 को कावड़ यात्रा मार्गों पर विभिन्न स्थानों पर अस्थाई शौचालय लगाए जाएंगे, जिसमें शनि मंदिर के पास यमुना पुस्ता पर 02, डीएनडी अंडरपास के पास 02, सेक्टर 44 सर्विस रोड के पास 01, ग्राम छजरसी के पास 01 एवं पर्थला खंजरपुर के पास 01 कुल 07 अस्थाई शौचालय नोएडा प्राधिकरण द्वारा कावड़ रूट अथवा शिवरों के समीप लगा दिए जाएंगे।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बताया कि उद्यान विभाग के द्वारा ओखला पक्षी विहार के अंदर कावड़ यात्रा मार्ग में अवरोधक पेड़ों की छंटाई करा दी गई है एवं शनि देव मंदिर के सामने 500 मी. कावड़ यात्रा के मार्ग में अवरोध पेड़ों की छंटाई का कार्य कराया जा रहा है, जिसको कल दोपहर तक शत प्रतिशत पूर्ण कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि हैंड वर्क खंड आगरा नहर ओखला नई दिल्ली द्वारा ओखला पक्षी विहार रोड की मरम्मत पूर्व में ही कर दी गई थी। हैंड वर्क खंड आगरा नहर ओखला नई दिल्ली के नियंत्रणाधीन ओखला पक्षी विहार सड़क कावड़ मार्ग हेतु पूर्णतः उपयुक्त है।

नोएडा में गुरू पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया

दुर्गम खबर
नोएडा। नोएडा के सेक्टर 82 स्थित शिव मंदिर पर सर्व शक्ति साधना मंडल शाखा नोएडा द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया।गुरु शिष्य के मिलन का पर्व गुरु पूर्णिमा होती है।हमारा जीवन बिना गुरु के अधूरा होता है। इस सांसारिक जगत से मुक्ति पाने का रास्ता, हमारे जीवन की बुराईयों को खत्म करने हेतु हमारा गुरु सूक्ष्मतम शरीर धारण करके हर प्रकार से हमारे जीवन को सुखमय बनाते हैं। उक्त बातें मध्य प्रदेश जौरा गैपरा के निखिल धाम वनखंडी सरकार के पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर अपने शिष्यों को संबोधित करते हुए कहा। गुरु पूर्णिमा महोत्सव नोएडा में बड़े धूमधाम से मनाया गया।इस कार्यक्रम में लुधियाना दिल्ली गाजियाबाद फरीदाबाद गुड़गांव अलीगढ़ आदि स्थानों से भारी संख्या में भक्त गण आए हुए थे। कार्यक्रम का श्री गणेश परम पूज्य गुरुदेव ने दीप प्रज्वलन से किया। परम पूज्य गुरुदेव जी का मुख्य गुरु पूजन रवि राघव एवं श्रीमती रश्मि राघव ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रयागराज से पधारे आचार्य विश्वनाथ त्रिपाठी ने किया। गुरु पूजन करने वालों में मुख्य रूप से देव मणि शुक्ल, संजय पांडेय, अंगद सिंह तोमर, गोरे लाल, राजेश कुमार गुप्ता, रमेश चंद्र वर्मा, हंस मणि शुक्ल, धर्मेंद्र सिंह, सी एल तिवारी, प्रमोद कुमार भारद्वाज, दलवीर सिंह, रंजन गिरी, सत्येन्द्र प्रताप सिंह, हरि शंकर सिंह, संगम प्रसाद मिश्र, सिया राम, अनिल कुमार चौधरी, सुभाष चन्द्र शर्मा,अनूप सिंह, सुशील कुमार पाल, दीपक तिवारी,संजय मग्गू, लक्ष्मण सिंह, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, रविन्द्र कुमार सिंह, विद्दू मिश्रा, संदीप शुक्ला, अजय सिंह, अवनीश तिवारी, कुन्दन सिंह, कपिल सिह अनिल कुमार शर्मा, रमेश चंद्र दास,सोनू, प्रान्जल शुक्ल, विवेक सिंह आदि मौजूद रहे।

रिश्वत लेते कोर्ट मुंशी का वीडियो वायरल,गया जेल

दुर्गम खबर-धीरेन्द्र अवाना
नोएडा। एक युवक से रिश्वत लेने वाले मुंशी एक वीडियो वायरल हो रहा है।जिसमें वो मुकदमे की तारीख आगे बढ़ाने के नाम पर दो हजार रुपये लेते हुए दिख रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद एसीपी की अदालत में तैनात कोर्ट मुंशी को निलंबित कर उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि नोएडा में एक वीडियो एसीपी कोर्ट का शुक्रवार को वायरल हुआ।जिसमें वहां तैनात कोर्ट मुंशी मुकदमा की तारीख को आगे बढ़ाने के लिए 2,000 रुपए की रिश्वत लेता दिखाई दे रहा है।इस वीडियो की जांच की गई तो पता चला कि सेक्टर-6 स्थित एसीपी कोर्ट की यह वीडियो है।वीडियो कोर्ट मुंशी राहुल राणा है।इसके बाद पुलिस ने इस पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच की।जांच में पता चला कि जून में खोड़ा कालोनी गाजियाबाद निवासी विक्की के खिलाफ 107/16 की कार्रवाई हुई थी।मुकदमा की अगली तारीख पर आया तो उसने

मुकदमा खत्म करने या तारीख लंबी देने की गुजारिश के साथ-साथ दो हजार की रिश्वत कोर्ट मुंशी को दी।वीडियो में कोर्ट मुंशी पैसे लेते हुए और गिनते हुए दिखाई दे रहा है।रिश्वत लेने और देने के आरोप में कोर्ट मुंशी और विक्की के खिलाफ फेस 1 थाने मे मुकदमा दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।इसके अलावा सिपाही यानि कोर्ट मुंशी को निलंबित कर उसके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं।पुलिस कमिश्नर ने कहा कि करप्शन पर जीरो टालरेंस की नीति आगे भी जारी रहेगी।रिश्वत लेने वाले की पहचान सेक्टर-40 निवासी हेड कांस्टेबल राहुल राणा के रूप में हुई।वह वर्तमान में सहायक पुलिस आयुक्त/विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वितीय के सेक्टर 6 स्थित कार्यालय में कोर्ट मुंशी के पद पर तैनात है।वही रिश्वत देना वाला युवक हिस्ट्रीशीटर है।वही कोर्ट मुंशी को मेरठ स्थित एंटी करप्शन कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कार ना रोकने पर युवकों की पिटाई,टीएसआई समेत कांस्टेबल निलंबित

दुर्गम खबर-धीरेन्द्र अवाना
ग्रेटर नोएडा। युवक द्वारा कार ना रोकने पर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने चौकी में ले जाकर चार युवकों की पिटाई की।उसके बाद उन्हें छोड़ने के एवज में 50 हजार की मांग की।पीड़ितों के परिजनों ने इस मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर से की।जिसका संज्ञान लेकर एक टीएसआई, एक कांस्टेबल और चौकी के हेड कांस्टेबल को निलंबित किया है। आपको बता दे कि नोएडा के सलारपुर गांव निवासी एक युवक रविवार को तीन दोस्तों के साथ कार से सूरजपुर जा रहा था। कुलेसरा से आगे हल्दोनी मोड़ पहुंचा तो उनकी गाड़ी के सामने एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी आ गया।पुलिसकर्मी ने कार चला रहे युवक से कहा कि पीछे सिपाही के इशारा करने पर कार क्यों नहीं रोकी।युवक ने कहा की उसने किसी को नहीं देखा।इस बात पर गुस्साए पुलिसकर्मी ने सभी युवकों को नजदीक की कुलेसरा पुलिस चौकी ले गया।वहा मौजूद आठ दस पुलिसकमीर्यों ने चारों दोस्तों के साथ मारपीट की। इसी दौरान एक युवक ने इस पूरी घटना का एक ऑडियो बना लिया।जिसमें युवकों को पीटने और उनके चिल्लाने की आवाज सुनाई दे रही है।उसके बाद उन्हें इकोटेक 3 थाने ले जाया गया।

आरोप है कि युवकों को छोड़ने के एवज में पुलिसकर्मियों ने 50 हजार रुपये की मांग की।जब युवकों ने पैसे देने से मना किया तो पुलिस कमीर्यों ने उनकी जेब में रखे 30 हजार रुपए निकाल लिए और उनसे एक शिकायती पत्र लिखवाया गया कि उन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन किया है।बाद में उन्हें कोतवाली से
छोड़ा गया।पीड़ित युवक ने बताया कि कोतवाली से बाहर निकलते ही कार का साढ़े 14 हजार का चालान कर दिया। घर पहुंच कर उन्होंने आपबीती स्वजन को बताई।

किसान इंटर कॉलेज में हुआ वृक्षारोपण

दुर्गम खबर-दनकौर : क्षेत्र के गांव पारसौल स्थित किसान इंटर कॉलेज में प्रधानमंत्री के आवाहन एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के करीब 200 पौधे रोपे गए। जिनमें पीपल ,जामुन ,अमरुद ,नीम , पापड़ी आदि विभिन्न प्रकार के वृक्षों का रोपण किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर "एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम को सार्थक करते हुए कालेज प्रधानाचार्य यशपाल सिंह ने छात्र-छात्राओं को वृक्षारोपण का महत्व बताया एवं सभी छात्र-छात्राओं को उनके द्वारा रोपित किये गए वृक्षों की सुरक्षा के लिए शपथ दिलाई । इस अवसर पर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय पारसौल गौतमबुद्धनगर डॉक्टर सुशील कुमार पांडे एवं डॉ दिव्या ने भी 50 पौधों का कॉलेज के लिए सहयोग प्रदान किया । इस अवसर पर कॉलेज का समस्त स्टाफ, कर्मचारीगण एवं सैकड़ो छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

हवा में मौजूद ओजोन से साफ होगा झील का पानी

दुर्गम खबर-नोएडा। व्यवस्था सुधार के लिए बना सरकारी सिस्टम जब खुद ठीक से काम नहीं करे तो ऐसे में कई बार आम लोगों को खुद ही आगे आना होता है। ऐसी ही एक पहल शहर के लोगों ने नोएडा प्राधिकरण की सेक्टर-91 में बनाई कृत्रिम झील को साफ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए की है। आपस में चंदा इकट्ठा कर ओजोनाइजर के साथ वायु मिश्रण यंत्र खरीदा। इसका उपयोग भी अब झील के पानी को साफ रखने के लिए शुरू करा दिया गया है।

यह पहल शहर के अलग-अलग सेक्टर के लोगों के समूह वालंटियर-137 ने की है। पूरे जिले में ऐसा पहली बार किया गया है। इस मशीन को सौर ऊर्जा का उपयोग कर चलाया जाएगा। लेकिन यह 24 घंटे तक लगातार चलती रहे, इसके लिए इसमें बैटरी भी लगाए जाने की योजना है। अभी केवल इसका उपयोग दिन के समय ही किया जा सकेगा। सिविल सोसाइटी समूह के सदस्यों का कहना है कि ओजोन में यह गुण होता है कि यह पानी के संपर्क में आने पर इसमें मौजूद अशुद्धियों जैसे कैमिकल आदि को खत्म कर देता है। इसके अलावा बायोऑक्सीजन डिमांड, घुलनशील ऑक्सीजन आदि का स्तर भी ठीक होता है।

नए संकल्प, नए लक्ष्य और नई ऊर्जा के साथ आर्य मित्र मंडल की बैठक हुई संपन्न

दुर्गम खबर-ग्रेटर नोएडा। (विशेष संवाददाता) यहां स्थित आर्य समाज सूरजपुर में आर्य मित्र मंडल पश्चिम उत्तर प्रदेश की बैठक नए संकल्प, नये लक्ष्य और नई ऊर्जा के साथ संपन्न हुई। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए जनपद आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर के उप प्रधान मुकेश नागर एडवोकेट ने बताया कि इस बैठक में शाहजहांपुर, बरेली, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, बुलंदशहर ,गौतम बुध नगर के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिन्होंने स्वामी दयानंद जी महाराज की 200 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहे कार्यक्रमों के अवसर पर आर्य समाज में नई ऊर्जा उत्पन्न करने के उपायों और नए लक्ष्य के साथ नए संकल्पों पर विचार किया।

आर्य प्रतिनिधि सभा जनपद गौतम बुद्ध नगर के अध्यक्ष डॉ राकेश कुमार आर्य ने इस अवसर कहा कि आर्य समाज का एक गौरवशाली इतिहास है। जिसने भारतवर्ष की स्वाधीनता के आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया था। आर्य समाज के क्रांतिकारी लोगों ने विदेशी हुकूमत के जुए को भारत के कंधों से उतारने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को आज भी खतरों से जूझना पड़ रहा है। श्री आर्य ने कहा कि इस समय हमको पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पिछले डेढ़ सौ वर्ष के आर्य समाज के इतिहास को लिखने पढ़ने समझने की आवश्यकता है। आर्य समाज के अनेक क्रांतिकारियों के व्यक्तित्व और कृतित्व को जन जागरण के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। इसके लिए आर्य समाज के इतिहास लेखन पर कार्य किया जाना अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि आर्य जगत की तीन मास की गतिविधियों के संबंध में एक पत्रिका का भी आरंभ किया जाना चाहिए। जिससे हमें एक दूसरे को समझने और एक दूसरे के साथ मिलकर कार्य करने में सुविधा होगी। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए उगता भारत के अध्यक्ष श्री देवेंद्र सिंह आर्य ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी के लिए कई प्रकार की चुनौतियां सामने आकर खड़ी हो गई हैं। सबसे बड़ा संकट आज के परिवेश में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की परंपरा का बाधित और अवरुद्ध हो जाना है। उन्होंने कहा कि यह दुख का विषय है कि मनुस्मृति को लेकर लोग नई-नई भ्रांतियां फैला रहे हैं और उसे दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाने पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है । जिसके लिए आज आर्य समाज को आगे आकर नेतृत्व देना चाहिए अन्यथा हम अपने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की धरोहर से वंचित हो जाएंगे। वरिष्ठ समाजसेवी और आर्य समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ जुड़े हुए राकेश कुमार आर्य बागपत ने इस अवसर पर कहा कि आर्य समाज को राष्ट्र जागरण के अपने पवित्र कार्य को फिर से अपनाकर काम करने की आवश्यकता है। आर्य प्रतिनिधि सभा गौतम बुद्ध नगर के उप प्रधान मुकेश नागर एडवोकेट ने कहा कि दूसरों में कमी निकालने के स्थान पर हमें अपने गुणों के विस्तार प्रचार और प्रसार पर ध्यान देने की ओर ध्यान देना चाहिए। आर्य वीरदल उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी आर्य वीरेश भाटी ने कहा कि हमें ध्यान रखना चाहिए कि हमारी वैदिक संस्कृति अनेक ऐसी महान परंपराओं से ओतप्रोत है, जिनसे मानव को मानव बनाकर विश्व को सुख और शांति का धाम बनाने की प्रक्रिया को पूर्ण किया सकता है। देव मुनि जी महाराज ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज जब हम वैश्विक स्तर पर स्वामी दयानंद जी महाराज की 200 वीं जयंती के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं तब हमें इस बात पर ध्यान देने की आवश्यकता है कि आर्य समाज अपने पहले स्वरूप को किस प्रकार प्राप्त करे ? इसके लिए आवश्यक है कि हमें समस्त हिंदू समाज के साथ हाथ से हाथ मिलाकर चलने की पहल करनी चाहिए।

आर्य प्रतिनिधि सभा बरेली के अध्यक्ष आचार्य ओंकार ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की परंपरा भारत के वास्तविक लोकतंत्र की आधारशिला है । जिसमें संपूर्ण वसुधा को आर्य बनाकर अर्थात श्रेष्ठ संसार बनाकर उसे एक परिवार का रूप दिया जाना भारत की सामाजिक और राजनीतिक चेतना का उच्चतम बिंदु रहा है। यही इस राष्ट्र की सामान्य इच्छा रही है, अर्थात एक ऐसी इच्छा जो प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर पालकर चलता है, इसलिए यह देवताओं की संस्कृति कहलाती है। देवताओं की इसी पवित्र सांस्कृतिक परंपरा को आज नए सांचे में प्रस्तुत कर समाज के सामने परोसने की आवश्यकता है। अपने विचार व्यक्त करते हुए आर्य समाज सूरजपुर के प्रधान मूलचंद शर्मा ने कहा कि सामाजिक समरसता की भारत की महान परंपरा के लिए सारा विश्व प्रतीक्षारत है। जिसे केवल भारत ही पूर्ण कर सकता है और इसमें आर्य समाज की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। बैठक में स्वामी प्राण देव जी महाराज, आर्य प्रतिनिधि सभा बागपत के अध्यक्ष श्री राजेंद्र सिंह आर्य , आर्य प्रतिनिधि सभा गौतम बुद्ध नगर के उप प्रधान प्रताप सिंह आर्य, गुरुकुल मुर्शदपुर के प्रबंधक विजेंद्र सिंह आर्य नेवी अपने विचार व्यक्त किये। बैठक का सफल संचालन कर रहे आर्य सागर खारी ने हमें बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि आर्य मित्र मंडल का विस्तार कर ठोस रणनीति के आधार पर कार्य किया जाएगा। जिसके लिए फिलहाल एक समिति गठित की जाएगी । पत्रिका के लिए एक संपादक मंडल का गठन किया जाएगा। कार्यक्रम को गति देने के लिए अगली बैठक बागपत में संपन्न की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि अपनी इन गतिविधियों को पूर्ण करने पर आर्य समाज राष्ट्र निर्माण, संस्कृति रक्षा और धर्म रक्षा के अपने गौरवपूर्ण अतीत की परंपराओं को स्थापित कर पाएगा। बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि भारत के सांस्कृतिक उत्थान के लिए आर्य समाज भारत की सच्चाई और अच्छाई को लोगों के समक्ष प्रस्तुत करने के अपने परंपरागत महान कार्य को और भी अधिक ऊंचाई देगा। राष्ट्र के समक्ष खड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए संगठन की एकता को मजबूत किया जाएगा। देश के अन्य संगठनों के साथ राष्ट्रवाद पर कार्य करने की संभावनाओं को तलाशा जाएगा और जो लोग भारत की वैदिक परंपरा में विश्वास रखते हुए काम करने के इच्छुक होंगे , उनके साथ भी समन्वय स्थापित किया जाएगा। सिकंदराबाद से चलकर कार्यक्रम में पहुंचे श्री रमेश आर्य ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि ऋषि मिशन को पूरा करने के लिए सांगठनिक क्षमताओं में वृद्धि कर हमें देश और धर्म के सामने खड़ी चुनौतियों का सामना करना होगा। आर्य प्रतिनिधि सभा गौतम बुद्ध नगर के उप प्रधान महावीर सिंह आर्य ने बताया कि जो लोग राष्ट्र के बिंदु पर काम करने के लिए आर्य समाज के साथ निस्वार्थ भाव से आने की इच्छा रखते हैं, उन्हें साथ लिया जाएगा और जो लोग सैद्धांतिक पक्ष के साथ जुड़कर आर्य समाज की सैद्धांतिक विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए अपने आप को समर्पित करेंगे, उनको भी साथ लेकर चला जाएगा। स्वामी दयानंद जी महाराज की जयंती और निर्वाण दिवस और स्वामी श्रद्धानंद जी के बलिदान दिवस के साथ-साथ कुछ अन्य दिवस भी पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाने पर भी बैठक में सहमति बनी। यह भी निर्णय लिया गया कि इन दिवसों पर प्रत्येक आर्य समाज में कोई ना कोई कार्यक्रम होगा। यदि किसी बिंदु पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता अनुभव की जाएगी तो उसके लिए भी सभी मिलकर एक साथ ज्ञापन आदि देंगे। इस अवसर पर आर्य प्रतिनिधि सभा गौतम बुद्ध नगर के कोषाध्यक्ष आर्य दिवाकर नागर, सभा के संरक्षक मंडल के सदस्य रंगीलाल आर्य, आर्य वीर दल के मंत्री रविंद्र आर्य, राकेश कुमार यादव, सत्यपाल सिंह आर्य , प्रदीप कुमार आर्य आदि सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

एमबीबीएस की छात्रा सुरभि ने कुबूला पेपर सॉल्व करने 10 लाख में हुई थी डील

पटना। नीट पेपर लीक मामले में बिहार के रिम्स की एमबीबीएस की छात्रा सुरभि कुमारी को सीबीआई ने कल गिरफ्तार किया था। सुरभि से पूछताछ में सीबीआई को कई चौंकाने वाली जानकारियां पता चली हैं। वहीं रिम्स के तीन और छात्र भी शक के दायरे में हैं। पेपर लीक मामले में झारखंड में कई और एक्शन देखने को मिल सकते हैं। वहीं सुरभि की गिरफ्तारी के बाद रिम्स ने भी जांच चल रही है। सुरभि के खिलाफ अनुशासनात्मक के लिए एक कमेटी भी बनाई गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पूछताछ में सुरभि ने माना की उसने नीट का पेपर सॉल्व किया था। इसके लिए पेपर लीक गैंग ने उसे दस लाख रुए देने की बात कहीं थी। कुछ पैसे मिले भी लेकिन पेपर लीक मामला सामने आने और अभ्यर्थियों की गिरफ्तारी के बाद यह गैंग अंडरग्राउंड हो गया। इसलिए पूरी राशि नहीं मिल पाई है। उसे कितने पैसे मिले, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सीबीआई को रिम्स के तीन और छात्रों के इस मामले में शामिल होने का शक है। इनमें 2023 बैच के एक मेडिकल छात्र और एक छात्रा के अलावा 2022 बैच का एक छात्र भी शामिल हैं। अब जांच एजेंसी एक बार फिर रिम्स में बड़ी कार्रवाई कर सकती है। पटना एम्स में पकड़े गए मेडिकल छात्रों ने सुरभि का नाम लिया था। पता चला है कि सुरभि ने तीन छात्रों को पैसे का लालच देकर पेपर सॉल्व कराया था। इधर पटना एम्स प्रशासन की कमेटी ने नीट पेपर लीक मामले में पकड़े गए चार एमबीबीएस छात्रों को निलंबित करने का फैसला लिया है। एम्स के कार्यकारी निदेशक ने बताया है कि इनमें से थर्ड ईयर के तीन और सेकेंड ईयर का एक एमबीबीएस छात्र शामिल है। सीबीआई की ओर से दावा किया गया है कि ये सभी पेपर सॉल्व करने का काम करते थे। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी पहुंचे जम्मू-कश्मीर

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सुरक्षा स्थिति की जायजा लेने शनिवार को जम्मू पहुंचे। उन्हें सुरक्षा बलों ने कब्जे में लिए जा रहे क्षेत्रों के बारे में फॉर्मेशन कमांडरों द्वारा जानकारी दी गई। अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक भी होने की संभावना है। सेना प्रमुख का यह दौरा जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में कैप्टन ब्रिजेश थापा समेत चार जवानों के शहीद होने के बाद हो रहा है। सेना प्रमुख की जम्मू-कश्मीर की दूसरी यात्रा होगी। तीन जुलाई को उन्होंने एलओसी पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए पुंछ-राजौरी सेक्टर का दौरा किया था। बता दें जनरल उपेन्द्र ने 30 जून को भारतीय सेना की कमान संभाली थी। भारतीय सेना के 30वें प्रमुख जम्मू-कश्मीर राइफल्स से हैं और इस साल फरवरी से थल सेना के उप प्रमुख थे। जम्मू क्षेत्र में उच्च प्रशिक्षित पाकिस्तानी आतंकवादियों की घुसपैठ को देखते हुए, भारतीय सेना खुफिया सूचनाओं और सुरक्षा आवश्यकताओं के मुताबिक क्षेत्र में अपनी तैनाती को फिर से समायोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसियों ने भी क्षेत्र में अपने तंत्र को मजबूत किया है और आतंकवादियों का समर्थन करने वाले ओवरग्राउंड कार्यकर्ताओं समेत आतंकवादी समर्थन बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना ने यहां पाकिस्तान की छद्म आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए पहले ही क्षेत्र में करीब 4000 कर्मियों की एक ब्रिगेड सेना तैनात की है। उन्होंने बताया कि जमीन पर सेना के अधिकारी नवीनतम हथियारों और संचार उपकरणों से लैस आतंकवादियों की तलाश और उन्हें खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

देश की आर्थिक राजधानी हुई पानी-पानी, कई रास्ते डायवर्ट, नहीं खुले स्कूल-कालेज

मुंबई। मुंबई और उसके उपनगरों में शनिवार को भारी बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में पानी भर गया, लेकिन मुंबई की लाइफ लाइन लोकल ट्रेनें सामान्य रूप से चलती रही। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा कि शनिवार सुबह 24 घंटे के दौरान मुंबई में 91 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि इसके पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में 87 मिमी और 93 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने मुंबई में हल्की से भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। एक अधिकारी ने कहा कि सुबह 11.28 बजे 4.24 मीटर और रात 11.18 बजे 3.66 मीटर का उच्च ज्वार आने की संभावना है। भारी बारिश से महानगर में कुछ जगहों पर पानी भर गया। जलभराव से कुर्ला इलाके में शीतल सिनेमा और काले मार्ग की सड़क पर यातायात को डायवर्ट किया गया। बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि इसी तरह, गोरेगांव पूर्व में आरे मार्ग पर यातायात को दोनों दिशाओं में सीपज़-मरोल मरोशी-जेवीएलआर के जरिए मोड़ दिया गया। यातायात पुलिस अधिकारी ने कहा कि अंधेरी सबवे को भी अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है और यातायात को एसवी रोड पर डायवर्ट किया है। मध्य रेलवे और साथ ही पश्चिमी रेलवे ने कहा कि सभी मार्गों पर सेवाएं सामान्य रूप से जारी हैं। मुंबई और इसके आसपास के इलाकों में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुक कर भारी बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण नागपुर जिले के सभी स्कूल और कॉलेज 20 जुलाई को बंद किए गए। शनिवार के लिए नागपुर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। नागपुर में अमरावती, भंडारा, चंद्रपुर, गढ़चिरौली, गोंदिया और नागपुर जिलों के कुछ जलक्षेत्रों और आसपास बाढ़ की चेतावनी जारी की है जो अगले कुछ घंटों के लिए वैध है।

डिहाइड्रेशन के कारण कच्छ सीमा पर सेना के दो जवानों की मौत

कच्छ। गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ से एक दुःखद घटना सामने आई है। सीमा पर गश्त कर रहे सेना के 6 जवान डिहाइड्रेशन की चपेट में आ गए। इस घटना में दो जवानों की मौत हो गई। यह घटना लखपत के पास अट्टापट्टा क्रीक इलाके के पिलर नंबर 1136 के पास हुई है। जहां सीमा पर गश्त के दौरान 6 जवान डिहाइड्रेशन से प्रभावित हुए। जिसमें से एक जवान और एक अधिकारी की मौत हो गई है। इस से घटना के बाद सुरक्षा बल में शोक व्याप्त है। जानकारी है कि इस पूरे मामले में बीएसएफ आगे की जांच करेगी। फिलहाल दोनों शवों को भुज के सरकारी अस्पताल में रखा गया है। अस्पताल के एक बयान में कहा गया है कि पानी की अनुपलब्धता के कारण दलदली क्रीक के पास गश्त के दौरान पानी फंस जाने के दोनों जवानों की कारण मौत हो गई। इन जवानों में उत्तराखंड के मालीपाटन के मूल निवासी दयालकुमार बस्तानाराम और बिहार के कदारा निवासी विश्वदेव रमणनाथ झा शामिल हैं।

चेन स्नैचिंग : 20 मीटर तक कार के साथ घसीटते ले गए

मंडी। मंडी-पठानकोट नेशनल हाइवे पर जोगिंदरनगर के ऐहजु में पंजाब के तीन शातिरों ने कार से कॉलेज स्टूडेंट्स का मोबाइल, पर्स और चेन छीनने की कोशिश की। छीनाझपटी के दौरान शातिर युवती को कार के साथ 20-30 मीटर तक घसीटते ले गए। बाद में छात्रा छूटी और फिर घायल हो गई। बाद में आरोपियों ने जोगिंदर नगर बाजार में होमगार्ड जवान और स्कूटी सवार महिला को भी कुचल दिया था, लेकिन वह बाल बाल बच गई। उधर, पुलिस ने मुस्तादी दिखाते हुए नाकाबंदी के दौरान गुम्मा के पास इन शातिरों को दबोच लिया है। फिलहाल, घायल युवती को उपचार के लिए बैजनाथ अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर 3:00 के करीब ऐहजू के पास कॉलेज स्टूडेंट्स 20 वर्षीय नेहा वर्मा बस का इंतजार कर रही थी। स्थानीय पंचायत मटरू के गांव सूजा संद्राहल की रहने वाली नेहा घर जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। इस बीच छात्रा को अकेला पाकर बैजनाथ की तरफ से बिना नंबर एक कार आई और युवती से छीनाछपटी कर दी। गले में बैग पहनने की वजह से आरोपी छीनाझपटी में सफल नहीं हुए तो कार की स्पीड बढ़ा दी। फिर कार की खिड़की के साथ लटकी युवती को 20 मीटर तक घसीट लए गए। बाद में युवती गिरी और घायल हो गई। आरोपी घटना के बाद भाग गए।

पुलिस ने दिखाई बहादुरी, सभी को दबोचा

जोगिंद्रनगर के साईं बाजार में बीच-बचाव में आए होमगार्ड जवान और मौके पर स्कूटी सवार महिला को भी तेज रफ्तार कार से कुचलने का प्रयास किया गया, लेकिन इससे यहां जाम लग गया। होमगार्ड जवान ने एक शातिर को दबोच ही लिया। आरोपियों ने इस दौरान पांच गाड़ियों को भी अपनी कार से टक्कर मारी थी। बाद में शातिरों ने पुलिस को चकमा देने के लिए अपनी कार पर नंबर भी लगा दिया। लेकिन पुलिस ने गुम्मा में नाकाबंदी कर कार समेत तीनों युवकों को दबोच लिया है। आरोपियों की पहचान अर्पित सिंह (20), सनमप्रीत सिंह (22), कुलविंद्र सिंह (21) के रूप मे हुई है। ये सभी पंजाब के मुक्तसर जिले की तहसील गिदड़बाहा के रोपाण इलाके के गांव दूहेवाला के रहने वाले हैं।

60 महीने में बन कर तैयार नहीं हुआ देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर

-सितंबर में शुरु होने की उम्मीद, इस 362 बेड्स और 39 आईसीयू बेड्स होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में बन रहा देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर का काम 60 महीने में भी पूरा नहीं हो सका है। इसे पूरा होने में अभी वक्त लेगा और लोगों को इलाज के लिए कुछ महीने और इंतजार करना होगा। इस ट्रॉमा सेंटर का निर्माण कार्य 18 महीनों में पूरा किया जाना था, लेकिन 60 महीनों में भी पूरा नहीं हो पाया है। बताया जा रहा है कि इसी साल सितंबर में ट्रॉमा सेंटर का उद्?घाटन हो जाएगा। 9 मंजिला इस ट्रॉमा सेंटर में 362 बेड्स और 39 आईसीयू बेड्स होंगे।

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मुताबिक संजय गांधी ट्रॉमा सेंटर का सिविल व इलेक्ट्रिकल वर्क पूरा हो चुका है। इस महीने के आखिर में बिल्डिंग संजय गांधी अस्पताल ऐडमिनिस्ट्रेशन को हैंडओवर कर दी जाएगी। ट्रॉमा सेंटर का निर्माण कार्य सितंबर, 2019 में शुरू हुआ था और मार्च, 2021 तक काम पूरा करना था लेकिन, कई वजहों से बिल्डिंग का निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका है। शुरुआत में ट्रॉमा सेंटर के निर्माण पर 84 करोड़ रुपए का बजट था लेकिन, काम में देरी के चलते इस प्रोजेक्ट में अब तक 117.78 करोड़ रुपए की लागत आ चुकी है। पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों के मुताबिक ट्रॉमा सेंटर में 362 बेड्स हैं। यह देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर हैं। संजय गांधी ट्रॉमा सेंटर में 39 आईसीयू बेड्स, 6 मॉडर्न ऑपरेशन थिएटर्स होंगे। इस ट्रॉमा सेंटर के निर्माण के बाद दिल्ली में जितने भी ट्रॉमा सेंटर हैं, उन पर भार कम हो जाएगा। इसके बेसमेंट में पार्किंग की सुविधा है। 362 में से 50 फीसदी बेड्स इमरजेंसी, ट्रॉमा केयर और आईसीयू के लिए होंगे।

दिल्ली में सबसे पहला ट्रॉमा सेंटर दिल्ली सरकार ने 1998 में एलएनजेपी अस्पताल की मदद से सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर बनाया था, जिसमें बेड्स 49 हैं। साल 2006 में एम्स ने जयप्रकाश नारायण ट्रॉमा सेंटर शुरू किया था। एम्स की रिपोर्ट के मुताबिक वहां बेड की कुल क्षमता 243 है, जिसमें 232 जनरल और 11 प्राइवेट बेड हैं। यहां पांच ऑपरेशन थिएटर हैं और करीब 26 से 30 आईसीयू बेड हैं। इसी तर्ज पर राम मनोहर लोहिया अस्पताल में 2008 में ट्रॉमा सेंटर बनाया गया था। 6 मंजिला इस ट्रॉमा सेंटर में कुल 78 बेड्स हैं। इसमें तीन ऑपरेशन थिएटर, 11 आईसीयू बेड हैं। इन सभी ट्रॉमा सेंटर की तुलना में संजय गांधी ट्रॉमा सेंटर काफी बड़ा है जो देश का सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर होगा।

कांवड़ यात्रा के रूट पर नेम प्लेट... आदेश हम यूपी से पहले दे चुके : सीएम धामी

देहरादून। उत्तर प्रदेश के बाद अब उत्तराखंड में भी कांवड़ यात्रा के रूट पर पड़ने वाली दुकानों और रेड़ियों पर नेम प्लेट लगाना अनिवार्य किया गया है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि किसी भी तरह के विवाद से बचने के लिए ये कदम उठाया गया है और उनके प्रदेश में ये फैसला पहले ही लिया जा चुका था। सीएम धामी ने कहा कि 22 जुलाई से उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा की शुरुआत होगी। हमारी सरकार ने 12 जुलाई को कांवड़ यात्रा को लेकर एक बैठक की थी, जिसमें नेम प्लेट लगाने को लेकर फैसला हुआ था। कुछ लोगों की तरफ से कहा गया था कि जो ठेले या दुकानें लगाते हैं, वह नाम और अपनी पहचान छिपाकर कारोबार करते हैं। इसलिए ये फैसला लिया गया। सीएम धामी ने कहा कि किसी को परेशान करने या टारगेट के लिए ऐसा नहीं हुआ है, बल्कि फैसले का मकसद यह है कि सभी की पहचान के बारे में पता हो। हरकी पैड़ी पर कई ऐसी घटनाएं भी आई हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड अपने भाईचारे की वजह से जाना जाता है। हम सभी लोग यहां शांतिपूर्वक रहते हैं। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर एपी अंशुमान ने कहा, कांवड़ियों की ओर से कई बार शिकायतें मिली हैं। इसके कारण विवाद की घटनाएं भी सामने आई हैं। कानून-व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए उत्तराखंड में प्रशासन द्वारा होटल, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबारियों पर सत्यापन ड्राइव चलाया जा रहा है। इसलिए उन्हें अपने नाम की प्लेट लगाने का निर्देश दिया गया है, ताकि उनकी पहचान पता चल सके। ऐसा न करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आतंकी घटनाओं के बीच सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी जम्मू कश्मीर दौरे पर

सुरक्षा स्थिति का लेंगे जायजा

श्री नगर (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए आज (20 जुलाई) जम्मू का दौरा करेंगे। उन्हें सुरक्षा बलों द्वारा कब्जे में लिए जा रहे क्षेत्रों के बारे में फॉर्मेशन कमांडरों द्वारा जानकारी दी जाएगी। अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक भी होने की संभावना है। सेना प्रमुख का यह दौरा 16 जुलाई को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान कैप्टन ब्रिजेश थापा सहित चार भारतीय सेना के जवानों के शहीद होने के बाद होगा। यह सेना प्रमुख की जम्मू-कश्मीर की दूसरी यात्रा होगी। 3 जुलाई को उन्होंने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए पुंछ-राजौरी सेक्टर का दौरा किया। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने 30 जून को भारतीय सेना की कमान संभाली थी। भारतीय सेना के 30वें प्रमुख जम्मू-कश्मीर राइफल्स से हैं और इस साल फरवरी से थल सेना के उप प्रमुख थे।

जम्मू क्षेत्र में उच्च प्रशिक्षित पाकिस्तानी आतंकवादियों की घुसपैठ को देखते हुए, भारतीय सेना खुफिया सूचनाओं और सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुसार क्षेत्र में अपनी तैनाती को फिर से समायोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि खुफिया एजेंसियों ने भी क्षेत्र में अपने तंत्र को मजबूत किया है और आतंकवादियों का समर्थन करने वाले ओवरग्राउंड कार्यकर्ताओं सहित आतंकवादी समर्थन बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना ने यहां पाकिस्तान की छद्म आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए पहले ही क्षेत्र में लगभग 3,500-4000 कर्मियों की एक ब्रिगेड सहित सेना ला दी है। उन्होंने बताया कि जमीन पर सेना के अधिकारी नवीनतम हथियारों और संचार उपकरणों से लैस आतंकवादियों की तलाश और उन्हें नष्ट करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

जम्मू कश्मीर के डोडा में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए कैप्टन बृजेश थापा का पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में स्थित उनके पैतृक गांव में पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। शुक्रवार को कैप्टन थापा (27) के अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और इस दौरान बृजेश थापा अमर रहे के नारे चारों ओर गूंजते रहे। शहीद कैप्टन के पिता कर्नल भुवनेश के. थापा (सेवानिवृत्त) ने बताया कि उनका बेटा बचपन से ही सेना में शामिल होना चाहता था। सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी ने पत्रकारों से कहा कि मुझे अपने पुत्र पर गर्व है। उसने अपना कर्तव्य निभाया।

यूपीएससी अध्यक्ष के इस्तीफे पर खड़गे का सवाल, इसे एक महीने तक गुप्त क्यों रखा गया, क्या कहीं...

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी के अध्यक्ष मनोज सोनी के निजी कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा देने के बाद से राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस ने पूरे मामले को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस ने सवाल किया कि क्या संघ लोक सेवा आयोग में चयन प्रक्रिया से जुड़े कई विवादों को देखते हुए उन्हें समय से पहले ही बाहर कर दिया गया। सोनी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'नीली आंखों वाला रत्न' बताते हुए कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूछा कि यूपीएससी अध्यक्ष के इस्तीफे को एक महीने तक गुप्त क्यों रखा गया?

क्स पर खड़गे ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) व्यवस्थित रूप से भारत के संवैधानिक निकायों के संस्थागत अधिग्रहण में शामिल हैं, 'जिससे उनकी प्रतिष्ठा, अखंडता और स्वायत्तता को नुकसान पहुंच रहा है!' उन्होंने कहा कि यूपीएससी को परेशान करने वाले कई घोटाले राष्ट्रीय चिंता का कारण हैं। पीएम मोदी और उनके कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्री को सफाई देनी होगी। अयोग्य व्यक्तियों द्वारा फर्जी जाति और चिकित्सा प्रमाण पत्र बनाने के कई मामलों से ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने 'फुलप्रूफ' प्रणाली को धोखा दिया है।

उन्होंने कहा कि यह एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों सहित लाखों उम्मीदवारों की वास्तविक आकांक्षाओं का सीधा अपमान है, जो सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी में कड़ी मेहनत करते हैं, आधी रात को पसीना बहाते हैं। उन्होंने कहा कि यह निराशाजनक है कि कैसे यूपीएससी अध्यक्ष ने अपना कार्यकाल समाप्त होने से पांच साल पहले ही इस्तीफा दे दिया। उनका इस्तीफा एक महीने तक गुप्त क्यों रखा गया? क्या इतने सारे घोटालों और इस्तीफ़े के बीच कोई संबंध है?

कांवड़ मार्गों पर 'नेमप्लेट' को लेकर कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल, गिरिराज सिंह ने याद दिलाया मनमोहन सिंह का दौर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्गों पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर 'नेमप्लेट' लगाने के निर्देश पर केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह ने कहा कि यह राज्य सरकार का मामला है, राज्य सरकार अगर तत्कालीन कोई विज्ञप्ति निकालती है तो सभी को मानना होता है। सांसद कपिल सिब्बल के बयान पर उन्होंने ने कहा कि मनमोहन सिंह किस पार्टी के प्रधानमंत्री थे और उनके आदेश क्या रहें? उन दिनों के ऑर्डर देखें तो लिखा गया है कि नेमप्लेट लिखा होना चाहिए। कपिल सिब्बल मनमोहन सिंह जी के इस आदेश को देख लें।

बता दें कि राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि कांवड़ यात्रा पर जो राजनीति हो रही है, वह हमें विकसित भारत की ओर नहीं ले जाएगी। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मुख्यमंत्रियों को ऐसे मुद्दे जिसका मकसद केवल राजनीति है, उन्हें नहीं उठाना चाहिए। आम आदमी का इन मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं है...मैं खासतौर पर यूपी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगा कि इसे रोकें। कांवड़ यात्रा पहले भी होती रही है...जो लोग यात्रा पर जाते हैं, सब जानते हैं कि कहां खाना है और कहां नहीं खाना है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हर दुकान पर अगर दुकानदार अपना नाम लिखकर रखेंगे तो इसमें हर्ज क्या है, इसे धार्मिक दृष्टिकोण से क्यों देख रहे हैं... कई बार हम किसी दुकान पर जाते हैं और उसे खोजते हैं तो दुकान के नाम से हमें उसे खोजने में आसानी होती है।

राज्यों में मूसलाधार बारिश के आसार, लोपर तूफान ने भी पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले 5 दिनों के दौरान गोवा, मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तटीय कर्नाटक और विदर्भ में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। इसी दौरान केरल, तटीय आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में भी बारी बारिश की संभावना है। वहीं, उत्तर पश्चिम भारत में, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में अलग-अलग इलाकों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वजह ये है कि भारत के मैदानी और पहाड़ी इलाकों में मॉनसून ने फिर रफ्तार पकड़ ली है। कई राज्यों में भारी बारिश के आसार बन रहे हैं। इस बीच भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि बंगाल की खाड़ी से एक कम दबाव वाला सिस्टम लोपर नामक तूफान में बदल गया है। आईएमडी के मुताबिक, यह सिस्टम पिछले छह घंटों में 7 किलोमीटर प्रति घंटे की गति की रफ्तार से पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ा है।

मौसम विभाग ने बताया है कि अगले 5 दिनों के दौरान जम्मू-कश्मीर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिमी राजस्थान में भी हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने अपने बुलेटिन में कहा कि 21 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 22 और 23 जुलाई को और उत्तराखंड में 20-22 जुलाई के दौरान ऐसी स्थिति बनी रहेगी। अगले 4-5 दिनों के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। मॉनसून की ट्रफ वर्तमान में सक्रिय है और अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में स्थित है। अगले 2-3 दिनों तक इसके इसी स्थिति में रहने की उम्मीद है। एक और ट्रफ समुद्र तल पर मौजूद है, जो दक्षिण गुजरात से उत्तरी केरल तक फैली हुई है। इसके अलावा एक चक्रवाती परिसंचरण पूर्वोत्तर अरब सागर और सौराष्ट्र क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है।

आतंकियों का होगा जड़ से सफाया, मोदी सरकार ने बना लिया है तगड़ा प्लान, कुछ दिन में दिखेगा असर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू क्षेत्र में बढ़े आतंकी हमलों ने सभी को चिंता में डाल रखा है। आतंकियों के खिलाफ लगातार सर्च ऑपरेशन जारी है। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि सरकार सुरक्षा स्थिति में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने एक खास अपील भी की है। उन्होंने कहा कि सभी समुदायों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खतरे से लड़ने के लिए हाथ मिलाना चाहिए।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह अपने उधमपुर संसदीय क्षेत्र के हिस्से डोडा में थे, जो पिछले तीन महीनों में कई आतंकवादी घटनाओं से दहल गया था, जिसमें 10 सुरक्षाकर्मियों और एक ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) की जान चली गई थी। तीन घंटे से अधिक समय तक चलने वाले सामान्य 'सार्वजनिक दरबार' के आयोजन से पहले एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने वीडीजी के पुनरुद्धार की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'आतंकी घटनाओं के मद्देनजर डोडा और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के पास एक रणनीति है, लेकिन ऐसी रणनीतियों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं की जाती है।'

सिंह ने आगे कहा कि सरकार दुश्मन देश की गलत हरकतों से निपटने के लिए काम कर रही है। कुछ ऐसी रणनीतियां बनाई गई हैं जिनकी चर्चा सार्वजनिक तौर पर नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि हमने वीडीजी (ग्राम रक्षा गार्ड) को पुनर्जीवित करने का प्रस्ताव रखा। सरकार ने मान लिया है कि...उनके हथियारों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। सिंह ने घोषणा की कि वीडीजी को एसएलआर राइफल सहित हथियार उपलब्ध कराए जा सकते हैं ताकि वे चुनौती से प्रभावी ढंग से निपट सकें। मंत्री ने सभी समुदायों से आतंकवाद के खिलाफ एकजुट मोर्चा खोलने की जोरदार अपील की।

डोडा के बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में बात करते हुए, सिंह ने कहा कि सरकार के पिछले 10 वर्षों में दूरदराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार, यात्रा के समय को कम करने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए राजमार्गों का एक नेटवर्क बनाया गया है। मंत्री ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर के सभी क्षेत्रों का समान विकास सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार ने लाभार्थियों की जाति,

पंथ या धर्म पर विचार किए बिना पीएम आवास के तहत एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए और घर बनाए, क्योंकि यह 'सबका साथ सबका विकास' के आदर्श वाक्य से प्रेरित है।

रुस में अमेरिकी पत्रकार को 16 साल की सजा

येकातेरिनबर्ग। रूसी अदालत ने अमेरिकी पत्रकार इवान गेर्शकोविच को जासूसी के मामले में दोषी ठहराते हुए 16 साल के कारावास की सजा सुनाई। गेर्शकोविच के नियोक्ता और अमेरिका ने पूरी प्रक्रिया को पाखंड बताकर आरोपों को खारिज किया है। यह फैसला रूस और अमेरिका के बीच संभवत- कैदियों की अदला-बदली का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। स्वेर्दलोव्स्क क्षेत्रीय न्यायालय में फैसला सुनाने के दौरान गेर्शकोविच कठघरे में शांत खड़े थे। जब न्यायाधीश आंद्रेई माइनेयेव ने पूछा कि क्या फैसले को लेकर उनके मन में कोई सवाल है, उन्होंने जवाब दिया, नहीं, माननीय। गेर्शकोविच (32) को मार्च 2023 में रिपोर्टिंग यात्रा के दौरान हिरासत में लिया गया था और उन पर अमेरिका के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। वह तभी से सलाखों के पीछे हैं। शीतयुद्ध के चरम पर होने के दौरान 1986 में निकोलस डेनिलॉफ की गिरफ्तारी के बाद गेर्शकोविच जासूसी के आरोप में हिरासत में लिए गए पहले अमेरिकी पत्रकार हैं। इस फैसले पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन ने कहा कि गेर्शकोविच को रूसी सरकार ने इसलिए निशाना बनाया क्योंकि वह एक पत्रकार और एक अमेरिकी हैं।

पीएम मोदी की लोकप्रियता पर एलन मस्क ने दी बधाई

न्यूयॉर्क। पीएम नरेंद्र मोदी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर पूरे होने पर टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने उन्हे बधाई दी है। मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया में सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले नेता बनने पर बधाई। बता दें कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक्स अकाउंट पर 10 करोड़ से अधिक फॉलोअर हो गए हैं। इसके बाद उनकी इस पोस्ट पर लोगों ने भी रिएक्ट किया। लोगों ने मस्क की पोस्ट के नीचे कमेंट में प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। एक दो यूजर ने तो प्रधानमंत्री की एक्स प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट भी साझा किया है। कुछ ने इसे इंडिया गठबंधन से जोड़ते हुए तंज कसा। एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर होने पर प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में कहा था कि एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर। इस जीवंत माध्यम पर आकर और चर्चा, बहस, अंतर्दृष्टि, लोगों के आशीर्वाद, रचनात्मक आलोचना तथा बहुत कुछ का हिस्सा बनकर खुश हूं। भविष्य में भी इसी प्रकार से लोगों से जुड़े रहने को उत्सुक हूं।

कोरोना ने फिर मचाया कोहराम, अस्पतालों में लगा मरीजों का तांता

-संक्रामक कोरोनावायरस वैरिएंट से जूझ रहा जापान

टोक्यो। जापान में एक बार फिर कोरोना के बढ़ते केस ने लोगों को डरा दिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि जापान एक नए और अत्याधिक संक्रामक कोरोनावायरस वैरिएंट से जूझ रहा है। जो देश में कोविड-19 संक्रमण की 11वीं लहर को हवा दे रहा है। जापान संक्रामक रोग एसोसिएशन के अध्यक्ष काजुहिरो टेटेडा के अनुसार जापान में कपी 3 वैरिएंट तेजी से फैल रहा है। यहां तक कि उन लोगों में भी जो वैक्सीन लगवा चुके हैं या पिछले संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। उन्होंने ने बताया कि दुर्भाग्य से, वायरस हर बार अलग रूप में बदलने पर अधिक खतरनाक और प्रतिरोधी बन जाती है। वैक्सीनेशन के बाद लोग अपनी इम्यूनिटी बहुत जल्दी खो देते हैं, इसलिए उनमें वायरस के प्रति बहुत कम या कोई प्रतिरोध नहीं होता है। साल 2020 की शुरुआत में जापान में कोविड-19 का पहला मामला सामने आने के बाद से,

पूर्वी एशियाई देश में कुल 34 मिलियन संक्रमण और लगभग 75,000 संबंधित मौतें दर्ज की गई है। देश का कोविड-19 केस लोड 5 अगस्त, 2022 को चरम पर था, जब 253,000 से अधिक लोग इलाज प्राप्त कर रहे थे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पति डग एमहॉफ जैसे हाई-प्रोफाइल अमेरिकी लोगों का हाल ही में कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है और वे आइसोलेशन में चले गए हैं। इस बीच, चल रही टूर डी फ्रांस साइकिलिंग रेस में कई राइडर्स के भी कोरोना टेस्ट के नतीजे पॉजिटिव आए हैं। महामारी की शुरुआत में गठित जापान के सलाहकार पैनल में शामिल टेटेडा ने कहा कि आने वाले सप्ताह महत्वपूर्ण होंगे क्योंकि अधिकारी वैरिएंट के प्रसार और प्रभाव की निगरानी करेंगे। इधर अस्पतालों में कोविड-19 के मरीजों के दाखिले में तेज वृद्धि हो रही है। टेटेडा ने कहा कि उन्हें 'इस बात से राहत मिली है कि इनमें से कई मामले गंभीर नहीं हैं। केपी 3 वैरिएंट के विशिष्ट लक्षणों में तेज बुखार, गले में खराश, गंध और स्वाद का नुकसान, सिरदर्द और थकान शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, जापान भर में चिकित्सा सुविधाओं में पिछले सप्ताह की तुलना में 1 से 7 जुलाई तक संक्रमण में 1.39 गुना या 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ओकिनावा प्रान्त वायरस के नए स्ट्रेन से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां अस्पतालों में प्रतिदिन औसतन लगभग 30 संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। स्थानीय खबरों के अनुसार, केपी 3 वैरिएंट ने देश भर में कोविड-19 के 90 प्रतिशत से ज़्यादा मामलों को जन्म दिया है, जिसके कारण चिकित्सा सुविधाओं में बेडों की कमी के बारे में फिर से चिंताएं पैदा हो गई हैं।

चीन में लड़कियों को नौकरी देने से पहले करवा रहे प्रेग्नेंसी टेस्ट, एक दो नहीं, कई कंपनियां ने ऐसा किया

बीजिंग। चीन में एक अनोखा खेल चल रहा है। वहां कंपनियां लड़कियों को नौकरी देने से पहले प्रेग्नेंसी टेस्ट करा रही हैं। उनका फिजिकल टेस्ट लिया जा रहा है। एक दो नहीं, कई कंपनियां ने ऐसा किया और जब सरकार के पास इसकी शिकायत पहुंची तो तुरंत जांच बिठा दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन की सरकारी मीडिया ने बताया कि 20 से ज्यादा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। उन्हें नोटिस भेजकर पूछा गया है कि ऐसा क्यों किया? अब तक की जांच में पता चला है कि चीन के पूर्वी प्रांत जियांग्सू में 16 कंपनियों ने ऐसा आदेश जारी किया। इन कंपनियों में जॉब के लिए आवेदन करने वाली 168 महिलाओं को प्रेग्नेंसी टेस्ट देने के लिए कहा गया।

इतना ही नहीं, उनका फिजिकल टेस्ट भी किया गया। सरकार इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने जा रही है। जांच कर रहे अधिकारियों के मुताबिक, कुछ कंपनियां प्रेग्नेंट महिलाओं को नौकरी नहीं देना चाहतीं। इसलिए वे इंटरव्यू के समय ही उनका प्रेग्नेंसी टेस्ट कर रही हैं। ऐसी भी रिपोर्ट हैं कि महिलाओं से पूछा जा रहा कि वे बच्चे तो पैदा नहीं करेंगी। उनका बच्चे पैदा करने की क्या योजना है। ज्यादातर ऐसी महिलाओं को नौकरी पर रखा जा रहा है, जो बच्चे पैदा करने से इनकार करती हैं। चीन के कानून के मुताबिक, नौकरी देने के लिए किसी का प्रेग्नेंसी टेस्ट करना कानूनी तौर पर अपराध है। इससे श्रमिकों के साथ भेदभाव होता है। जिन फर्मों की जांच की गई, उसमें दो प्रमुख पब्लिक हॉस्पिटल, एक हेल्थ सेंटर भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कई महिलाओं को सिर्फ इस वजह से नौकरी नहीं दी गई कि वे प्रेग्नेंट थीं। रिपोर्ट में किसी कंपनी का नाम नहीं बताया गया है। इसकी भी जानकारी नहीं दी गई है कि उन पर कतना जुर्माना लगाया गया। लेकिन चीन के कानून के मुताबिक, अगर कोई फर्म ऐसा करती हुई पाई गई तो उस पर 60 लाख तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। बता दें कि जॉब इंटरव्यू के समय कंपनियां कई तरह से टेस्ट करती हैं। कई तरह के सवाल पूछती हैं। उनका मकसद इंटरव्यू के बारे में अच्छे से पता करना होता है।

खींची गई इस हैंडआउट तस्वीर में सिंगापुर के पेड्रा ब्रांका द्वीप से लगभग 55 किमी (34 मील) उत्तर पूर्व में दो तेल टैंकरों में आग लगने के बाद जलते हुए जहाजों के आसपास नाव दिख रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने लोगों, संस्थाओं को प्रतिबंध सूची से बाहर करने के लिए अधिक पारदर्शी प्रक्रियाओं को मंजूरी दी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उन सैकड़ों व्यक्तियों, कंपनियों और अन्य संस्थाओं के लिए अधिक पारदर्शी प्रक्रियाओं को शुक्रवार को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी जो संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों के अधीन हैं और काली सूची से बाहर आना चाहते हैं। माल्टा और अमेरिका

द्वारा सह-प्रायोजित इस प्रस्ताव के जरिये सुरक्षा परिषद द्वारा संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधों की प्रभावशीलता में सुधार के तरीकों की जांच करने के लिए एक नया अनौपचारिक कार्य समूह बनाया जा सकेगा। माल्टा की संयुक्त राष्ट्र राजदूत वैनेसा फ्रेजियर ने मतदान से पहले परिषद को बताया कि यह प्रस्ताव ''उचित प्रक्रिया के प्रति परिषद की प्रतिबद्धता का स्पष्ट संकेत है।'' अमेरिकी उप राजदूत रॉबर्ट वुड ने मतदान के बाद परिषद की सर्वसम्मति से मंजूरी को ''एक ऐतिहासिक क्षण'' बताया और कहा कि सूची से बाहर करने संबंधी प्रक्रिया 18 वर्ष से नहीं बदली है। उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय समुदाय संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंध प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता जैसे मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रहा है।'' वुड ने कहा कि सुरक्षा परिषद के प्रतिबंध शांति और सुरक्षा के लिए खतरों को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण हथियार हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रतिबंधों के जरिये आतंकवाद का मुकाबला करने में मदद मिलती है और मानवाधिकारों के हनन को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अनिश्चितकालीन और दंडात्मक प्रतिबंधों के खिलाफ है, तथा जब आवश्यक हो तो प्रतिबंधों को हटाने और कम करने का समर्थन करता है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप राजदूत दिमित्री पोलांस्की ने कहा कि सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों को अत्यधिक सावधानी से लागू किया जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार वेंस 'दाढ़ी बाधा' को तोड़ने में रहे कामयाब

-91 सालों बाद कोई दाडी वाला शख्स बनेगा राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दाढ़ी रखने वालों को सख्त नापसंद करते हैं, यह बात सभी जानते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की दाढ़ी-मूंछ रखने वालों के प्रति उनकी नापसंदगी इतनी ज्यादा है कि 2016 में राष्ट्रपति बनने के बाद अपने प्रशासननिक अमले का चयन करते समय उन्होंने एक शख्स को निगेटिव माना था, क्योंकि वह दाढ़ी रखते थे।

उनकी नापसंदगी इस हद तक है कि जब सीनेटर जेडी वेंस (आर-ओहियो) को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुने जाने की सूचना मिली, तो पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि क्या उनको दाढ़ी रखने वाले इस तेजतर्रार सीनेटर से कोई दिक्कत नहीं है। जब रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को वेंस को अपने साथी के रूप में घोषित किया, तो यह सिर्फ उनके लिए एक बड़ा कदम नहीं था। यह अमेरिका के लिए भी एक बड़ा कदम था, जहां दशकों से दाढ़ी-मूंछ रखने वाला कोई उपराष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नहीं था। आखिरी व्यक्ति मूंछों वाले चार्ल्स कर्टिस थे, जो 1932 में हर्बर्ट हूवर के साथ रिपब्लिकन टिकट पर उपराष्ट्रपति बने थे। रिपब्लिकन पार्टी के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस इस 'दाढ़ी बाधा' को तोड़ने में भी कामयाब रहे। दूसरे शब्दों में कहें तो वह देश में सर्वोच्च पद के लिए केवल साफ-सुथरे चेहरे वाले राजनेताओं के लंबे समय से चले आ रहे मानदंड को तोड़ने में कामयाब रहे। ट्रंप ने एक रेडियो को बताया कि उन्हें लगता है कि उनका साथी दाढ़ी के साथ अच्छा दिखता है, 'एक युवा अब्राहम लिंकन की तरह।' यानी वेंस की उम्मीदवारी दाढ़ी वाले राजनेताओं की एक सदी पुरानी परंपरा की वापसी का संकेत है।

फेशियल हेयर निश्चित रूप से ओवल ऑफिस के लिए कोई नई बात नहीं हैं। हालांकि इसे लंबे समय से गैर-पेशेवर और बेतरतीब माना जाता रहा है। लेकिन निश्चित रूप से पिछले लगभग 15 वर्षों में, उस तरह के अधिक कठोर, अधिक मर्दाना दिखने वाले चेहरों की वापसी हुई है। जॉर्ज वॉशिंगटन के युग में बालों वाले चेहरों की निंदा की जाती थी। गृहयुद्ध के साथ-साथ घनी दाढ़ी रखने का चलन भी शुरू हो गया - जो 20वीं सदी की शुरुआत में खत्म होने लगा। कांग्रेस की लाइब्रेरी के रिकॉर्ड के साथ-साथ राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति के चित्रों पर एक नजर डालने से, सौंदर्य के बदलते रुझान का पता चलता है। चेहरे पर बाल रखने वाले पहले राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन थे। लिंकन के बाद, अगले 11 राष्ट्रपतियों में से नौ ने किसी न किसी प्रकार की दाढ़ी या मूंछे रखी। यह सिलसिला जो विलियम हॉवर्ड टैफ्ट के साथ समाप्त हुआ, जो 1909 से 1913 तक राष्ट्रपति थे।उपराष्ट्रपतियों ने भी कुछ हद तक इसका अनुसरण किया।

चेहरे पर बाल रखने वाले पहले व्यक्ति शूयलर कोलफैक्स थे। कोलफैक्स 1869 से 1873 तक 17वें उपराष्ट्रपति रहे। अगले 14 चुनावों में चेहरे पर बाल वाले सात पुरुष उपराष्ट्रपति बने। उसके बाद से उपराष्ट्रपति पद के किसी भी उम्मीदवार के चेहरे पर बाल नहीं थे। केवल राष्ट्रपति पद के दो उम्मीदवारों के चेहरे पर बाल थे-1916 में चार्ल्स इवांस ह्यूजेस और 1944 और 1948 में थॉमस ई डेवी। लेकिन दोनों रिपब्लिकन चुनाव हार गए।हेयर कटिंग के एक्सपर्ट कॉनराड ने कहा कि वेंस की दाढ़ी इस बात को रेखांकित करती है कि लोग चेहरे के बालों के पक्ष में कैसे वापस आ गये हैं। उन्होंने कहा कि आज एक अच्छी तरह से रखी गई दाढ़ी आत्मविश्वास बढ़ाने का काम कर सकती है। भले ही पहले दाढ़ी रखने वालों को हिप्पी या युप्पी के रूप में देखा जाता था या फूहड़ लोगों के लिए देखा जाता था। कॉनराड की नजरों में वेंस की दाढ़ी उन्हें मेच्योर बनाती है।

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जब 2016 में प्रसिद्धि की सीढ़ियां चढ़ रहे थे तब उनका चेहरा सौम्य था और उनकी शक्ल बचकानी लगती थी। 2022 में सीनेट का चुनाव लड़ते समय तक वह पूरी दाढ़ी रखने लगे थे। यानी वह सालों से दाढ़ी रख रहे हैं। यानी दाढ़ी लंबे समय से लोगों के आकर्षण का केंद्र रही है। लोग डोनाल्ड ट्रंप के भरोसेमंद सहयोगियों में से एक वेंस को परिवर्तन के संकेत के रूप में देख रहे हैं। यहां तक कि वेंस के लॉ स्कूल के एक दोस्त ने कहा कि उनका नया लुक ज्यादा ध्यान आकर्षित करता है। दोस्त ने कहा, ÷वह अलग दिखते हैं।÷ बता दें कि कपड़ों और सजने संवरने में अपनी नफासत को लेकर सजग डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार अपने बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर से कहा था कि वह अपनी दाढ़ी को त्याग दें।

रूस और यूक्रेन युद्ध में दोनों को टैंकों को नुकसान

मॉस्को (एजेंसी)। युद्ध में कई महाविनाशक हथियार इस्तेमाल होते हैं। कभी कहा जाता था कि जिसके पास टैंक होगा वहां युद्ध को जीत सकता है। लेकिन रूस और यूक्रेन के युद्ध ने इस धारणा को बदल दिया है। रूसी सेना ने कथित तौर पर 100 टी-90 मेन बैटल टैंक (एमबीटी) खो दिए हैं। इतने बड़े पैमाने पर टैंकों को खोना रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए अपमानजनक हो सकता है, जिन्हें वह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ कहते हैं। लेकिन इस युद्ध में सिर्फ रूस ही नहीं यूक्रेन को अमेरिका की ओर से दिए गए टैंकों को भी नुकसान हुआ है। ओरिक्स डेटाबेस के मुताबिक टी-90 एम टैंकों ने 100 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। टैंकों को होने वाले बड़े नुकसान का कारण ड्रोन का युद्ध में आना है। यूक्रेनी बल फर्स्ट-पर्सन व्यू ड्रोन का इस्तेमाल करता है। हमला करने वाले ड्रोन सरल और आसानी से उपलब्ध हैं। इन सभी हमला करने वाले ड्रोन को बेहतर नियंत्रण के लिए ऑपरेटर की आंखों और माथे पर लगे वर्चुअल रियलिटी स्क्रीन के जरिए नियंत्रित किया जाता है। हाल के महीनों ने यूक्रेन ने रूस के जिन टैंकों को नष्ट किया है, उसमें से दो तिहाई से ज्यादा को ड्रोन के उपयोग से नष्ट किया गया है।

रूस ने कुछ टी-90 एम को टैंक-विरोधी हथियारों और ड्रोन से बचाने के लिए स्टील के पिंजरे लगाए हैं। हालांकि कई वीडियो फुटेज दिखाते हैं कि यह हमेशा प्रभावी नहीं होते। हालांकि दूसरी तरह यूक्रेन के टैंक भी ड्रोन हमलों में तबाह हुए हैं। जर्मन लियोपार्ड-2 और अमेरिकी अब्राम सहित कुछ बेहतरीन पश्चिमी हथियारों को रूस ने तबाह किया है। एक यूक्रेनी कमांडर ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि अब्राम को बचाने के लिए अधिक आर्मर की जरूरत है।

नेपाल संसद में कल शक्ति परीक्षण के दौरान तीन विपक्षी दल ओली के खिलाफ मतदान करेंगे

काठमांडू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले केपी शर्मा ओली के रविवार को संसद में विश्वास मत हासिल करने की परीक्षा में खरा उतरने से पहले ही तीन राजनीतिक दलों ने उनके खिलाफ मतदान करने की घोषणा की है जिनमें वह पार्टी भी शामिल है जिससे उन्होंने नाता तोड़ लिया है। ओली ने पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' के स्थान पर नये प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। प्रचंड पिछले हफ्ते प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हासिल करने में विफल रहे थे क्योंकि ओली की 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी' (सीपीएन-यूएमएल) ने समर्थन वापस लेकर नेपाली कांग्रेस (एनसी) और अन्य दलों से हाथ मिला लिया था। एनसी संसद में सबसे बड़ी पार्टी है। सोमवार को चौथी बार हिमालयी राष्ट्र के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले 72 वर्षीय वरिष्ठ वामपंथी नेता ओली रविवार को संसद में विश्वास मत हासिल करने का प्रयास करेंगे। लेकिन इसके पहले ही प्रचंड की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-माओवादी सेंटर (सीपीएन-एमसी), राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी), और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड सोशलिस्ट (सीपीएन-यूएस) ने शुक्रवार को एक संयुक्त बैठक करके विश्वास मत के दौरान ओली का समर्थन नहीं करने का फैसला किया। 'काठमांडू पोस्ट' अखबार ने प्रचंड के निजी सचिव रमेश मल्ल के हवाले से कहा, ''प्रचंड, आरएसपी अध्यक्ष रबी लामिछाने और यूनिफाइड सोशलिस्ट के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल ने सिंह दरबार में चर्चा के बाद निर्णय लिया।'' नेपाल को लगातार राजनीतिक उथल-पुथल का सामना करना पड़ा है क्योंकि गणतांत्रिक प्रणाली लागू होने के बाद से पिछले 16 सालों में देश ने 14 सरकारें देखी हैं।

आरक्षण को लेकर हुई हिंसा में जेल पर हुआ हमला, सैकड़ों कैदियों का कराया रिहा

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली को लेकर घातक झड़पों के बाद शेख हसीना की सरकार ने पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सैन्य बलों की तैनाती के आदेश दिए है। शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों ने नरसिंगडी में एक जेल पर हमला कर दिया और सैकड़ों कैदियों को रिहा करा लिया था। यह घोषणा सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी के महासचिव ओबैदुल क़ादर ने की और पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करने और राजधानी में सभी सभाओं पर प्रतिबंध लगाने के बाद यह घोषणा की गई थी। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक बांग्लादेश में पिछले दिनों हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या अब तक 105 हो गई है। सेना को नागरिक प्रशासन को व्यवस्था

बनाए रखने में मदद करने के लिए तैनात किया गया है।

राष्ट्रव्यापी आंदोलन जो इस साल की शुरुआत में पीएम शेख हसीना के दोबारा चुने जाने के बाद सबसे बड़ा आंदोलन था, इसमें पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां और आंसू गैस छोड़ी, जबकि शुक्रवार को राजधानी में सभी समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पिछले दिनों बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने टीवी नेटवर्क के मुख्यालय समेत कई सरकारी इमारतों को आग के हवाले कर दिया था, जिससे कई लोग इमारतों में फंस गए थे।

इस बीच करीब 245 भारतीय नागरिक पूर्वोत्तर में सीमा बिंदुओं को पार कर घर लौट आए क्योंकि तीन सप्ताह से जारी विरोध प्रदर्शन इस सप्ताह तेज हो गया है। टीवी पर राष्ट्र के नाम संबोधन में पीएम शेख हसीना ने छात्रों को शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए बातचीत के लिए आमंत्रित किया। हालाँकि मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह साफ नहीं है कि छात्र सरकार के प्रस्ताव को मानेंगे या नहीं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि विरोध प्रदर्शन बांग्लादेश का आंतरिक मामला है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान में बांग्लादेश में रह रहे 8,500 छात्रों समेत 15,000 भारतीय सुरक्षित हैं। सरकार ने 125 छात्रों समेकत 245 भारतीयों की वापसी की सुविधा प्रदान की है।

यूक्रेन बना सकता है पुतिन के बेडरूम को निशाना? एयर डिफेंस सिस्टम तैनात

मास्को (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन जंग दिन ब दिन और भड़कती जा रही है। नाटो देशों की मदद से यूक्रेन के हौसले बुलंद हैं। अब यूक्रेन ने रूस पर हमले करना शुरू कर दिए हैं। जेलेंस्की ने ड्रोन अटैक किए हैं। पुतिन का बेडरूम भी जेलेंस्की के निशाने पर है? यूक्रेन अब रूस के अंदर तक टारगेट को ध्वस्त कर सकता है। यही वजह है कि पुतिन के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गर्मियों के दिनों में जहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन रहते हैं, उस घर के बाहर एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किया गया है। रूस के अंदर तक निशाना बनाने में यूक्रेन की बढ़ती ताकत के बीच रूस ने पुतिन के मॉस्को के नॉर्थ में स्थित घर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि नोवगोरोड इलाके में लेक वल्दाई पर स्थित रुसी राष्ट्रपति पुतिन के घर के आसपास कई पैंटिर-एस1 एयर डिफेंस सिस्टम्स तैनात कर दिए गए हैं। वल्दाई स्थित पुतिन का घर यूक्रेन के लिए हाई-प्रोफाइल टारगेट हो सकता है। यह घर पुतिन का खास ठिकाना है। पुतिन गर्मियों के दौरान इस घर में ही समय बिताते हैं। पुतिन का यह आलीशान घर वल्दाई नेशनल पार्क में एक बड़े सरकारी वेकेशन रिसोर्ट के अंदर है। यह दो झीलों के बीच एक टापू जैसा है। इस घर की सुरक्षा बहुत कड़ी रहती है। 40 हेक्टेयर में फैला यह इलाका तीन तरफ से पानी से घिरा है। पुतिन के घर बाहर तैनात ये एयर डिफेंस सिस्टम काफी लेटेस्ट और हाईटेक हैं। सैटेलाइट तस्वीरें बता रहीं हैं कि पिछले साल सितंबर और इस साल मई के बीच रूस में बने पैंट्सिर-एस1 एयर डिफेंस सिस्टम को पुतिन के समर वकेशन वाले घर के बाहर तैनात किया गया है। रूस की तरफ से यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब यूक्रेन ने रूस के अंदरूनी इलाकों में हमला करने वाले ड्रोन का इस्तेमाल करने में महारत हासिल कर ली है। रूस को यह डर सता रहा है कि यूक्रेन अपने ड्रोन और मिसाइल से पुतिन के उस घर को निशाना बना सकता है।

सैटेलाइट तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि इस इलाके में कई जगहों पर एयर डिफेंस सिस्टम तैनात हैं। यहां तक कि परिसर से कुछ ही किलोमीटर दूर जंगल में एक ऊंचे टावर पर भी एयर डिफेंस लगा है। दरअसल, रूस के एयर डिफेंस सिस्टम पैंटसिर-एस1 सिस्टम को छोटी दूरी की क्रूज मिसाइलों और ड्रोन से निपटने के लिए बनाया गया है। इससे यह अंदाजा लगाया

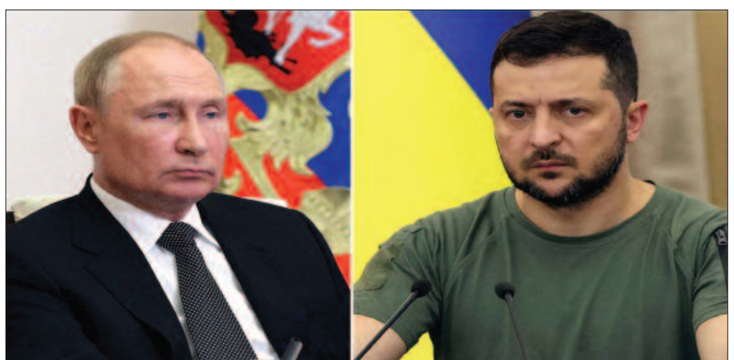

जा रहा है कि पुतिन के घर के पास इन्हें तैनात करने का मकसद यूक्रेन के बढ़ते ड्रोन हमलों का जवाब है। बता दें कि रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा हो गए हैं। इस जंग में यूक्रेन ही नहीं रुस को भी काफी नुकसान हुआ है।